सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दूसरे टेस्ट में शुभमन का खेलना तय नहीं, नितीश किये जा सकते हैं शामिल -पेज: 7

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के लाइमैक्स सीन को लेकर मोना सिंह ने किया बड़ा खुलासा -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 220 | बुधवार 19 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

मेट्रो को बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में नम्मा मेट्रो और बीएमआरसीएल को मंगलवार सुबह एक बम धमकी वाला ईमेल मिला, जिसके बाद पूरे मामले में हड़कंप मच गया। अज्ञात भेजने वाले ने आरोप लगाया कि मेट्रो स्टाफ उसकी तलाकशुदा पत्नी को परेशान कर रहा है, इसलिए वह किसी मेट्रो स्टेशन पर हमला करेगा। बीएमआरसीएल ने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद विल्सन गार्डन पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 351(2) और 351(3) के तहत स्नढ्ढक्र दर्ज कर ली है। पुलिस ने ईमेल भेजने वाले की पहचान पता करने के लिए जांच शुरू कर दी है। मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। अधिकारी लगातार ईमेल की तकनीकी जांच कर रहे हैं ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके।

सिर गायब, शरीर निर्वस्त्र... रेलवे ट्रैक पर मिला महिला का क्षत-विक्षत शव

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद में मंगलवार सुबह एक भयावह घटना सामने आई। बैरिया थाना क्षेत्र के बकुलहा गांव के पास रेलवे ट्रैक के किनारे एक महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका का सिर गायब था और शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था, जिसके चलते पुलिस ने मामले को अत्यंत गंभीर मानते हुए जांच तेज कर दी है। सूचना पर घटनास्थल पहुंचे पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने मीडिया को बताया कि स्थानीय लोगों ने सुबह ट्रैक के किनारे शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और हालात को देखते हुए इसे संदिग्ध व गंभीर मामला माना। मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। एसपी ने कहा कि हत्या की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। यह भी जांच का विषय है कि क्या हत्या कहीं और करके शव को रेलवे ट्रैक पर फेंका गया। पुलिस ने आसपास के थानों में हालिया गुमशुदगी रिपोर्टों की पड़ताल शुरू कर दी है। घटना की प्रकृति को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने साक्ष्य एकत्र किए हैं। ग्रामीणों से पूछताछ कर पुलिस संभावित सुराग जुटा रही है।

पुणे-दिल्ली फ्लाइट में 3 घंटे की देरी...एयरपोर्ट पर यात्रियों ने हंगामा मचा दिया

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे एयरपोर्ट पर मंगलवार सुबह तब अफरा-तफरी मच गई, जब इंडिगो की पुणे-दिल्ली फ्लाइट करीब तीन घंटे की देरी से उड़ान भरी, इससे यात्री भड़क उठे और एयरपोर्ट पर हंगामा मचा दिया। ये फ्लाइट सुबह 5.05 बजे दिल्ली के लिए रवाना होने थी, लेकिन तीन घंटे से ज्यादा देरी से 8.17 बजे रवाना हुई। फ्लाइट में देरी से परेशान यात्रियों ने बोर्डिंग गेट पर ही इंडिगो स्टाफ पर भड़क उठे। कई यात्री चिल्लाते और शिकायत करते भी दिखाई दिए। इस दौरान का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें यात्रियों को स्टाफ से ऊंची आवाज में बहस करते सुना जा सकता है। परेशान यात्रियों का कहना था कि फ्लाइट की देरी के बारे में पहले कोई सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। कई लोगों की दिल्ली से आगे की कनेक्टिंग फ्लाइट्स भी छूट गईं। पूरे घटना क्रम पर इंडिगो की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक देरी की वजह तकनीकी खराबी है। पुणे-दिल्ली रूट पर इंडिगो की ये सुबह की पहली फ्लाइट होती है और ज्यादातर बिजनेस और जरूरी यात्रा करने वाले यात्री इसी पर निर्भर रहते हैं।

भारतीय क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे 79 बांग्लादेशी हिरासत में, बोट भी जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में तीन बांग्लादेशी फिशिंग बोट्स को जब्त किया है। इन नावों पर सवार कुल 79 बांग्लादेशी मछुआरों को भी हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई 15-16 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा की निगरानी के दौरान की गई। आईसीजी के मुताबिक गश्ती दल ने इन विदेशी नौकाओं को भारतीय जलक्षेत्र में काफी अंदर तक अवैध रूप से संचालित होते पाया। जांच में किसी भी चालक दल के सदस्य के पास भारत के समुद्री क्षेत्रों में मछली पकड़ने के लिए जरुरी अनुमति पत्र नहीं मिला। नावों पर पकड़ी गई ताजा मछलियां और मछली पकड़ने के उपकरण इस अवैध गतिविधि की पुष्टि करते हैं। तटरक्षक बल ने तीनों नौकाओं को पूरी सुरक्षा के साथ फेजरगंज तक एस्कॉर्ट किया, जहां उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मरीन पुलिस को सौंप दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तटरक्षक बल ने कहा कि भारत के समुद्री हितों की रक्षा के लिए क्षेत्र में निरंतर सतर्कता और कानून के सख्त अनुपालन को प्राथमिकता दी जा रही है।

महबूबा पर उपमुख्यमंत्री चौधरी का पलटवार....कभी भ्रमित करने वाले बयान देती

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी द्वारा पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के हालिया राजनीतिक बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने महबूबा मुफ्ती से कहा है कि वे पहले अपनी राजनीतिक स्थिति स्पष्ट करें, क्योंकि वह कभी भाजपा के साथ तालमेल करती हैं और कभी भ्रमित करने वाले बयान देती हैं। महबूबा मुफ्ती ने हाल ही में कहा था कि कश्मीर की आवाज अब लाल किले के सामने सुनाई दे रही है।' उन्होंने मुफ्ती के बयान पर सीधा विवाद करने से इंकार किया, लेकिन जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर का नागरिक परिस्थितियों को समझदारी से परखता है और राष्ट्रीय एकता के लिए कुर्बानियां देता है। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने केंद्र से अपील की कि विधानसभा चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर के लोगों से किया गया पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा अब पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में स्थिति सामान्य और शांतिपूर्ण है, जो उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और पंजाब जैसे अन्य राज्यों के समान है, और एक-दो घटनाओं से राज्य की स्थिति नहीं बदलती। उन्होंने आतंकवाद का मुद्दा उठाने के लिए मीडिया के कुछ वर्गों की आलोचना भी की। चौधरी ने मुजफ्फरनगर जिले के शौरम गांव में आयोजित सर्व खाप पंचायत में भी भाग लिया, जहाँ प्रेम विवाह, लिव-इन रिलेशनशिप, नशाखोरी, मृत्युभोज और दहेज जैसे सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने समाज से बुराइयों को दूर करने के लिए पंचायत के फैसलों का पालन करने की बात कही।

नई सरकार गठन में इस मंत्रालय को लेकर फंस रहा पेंच, जानें कैसा हो सकता है मंत्रिमंडल

बिहार में नई सरकार गठन से पहले जेडीयूझ्रबीजेपी में मंत्रालयों के बंटवारे पर तेज हलचल जारी है। दिल्ली में ललन सिंह, संजय झा, अमित शाह और जेपी नड्डा की लंबी बैठक में विभागों के बंटवारे और भूमिकाओं पर चर्चा हुई। बीजेपी गृह और शिक्षा विभाग चाहती है, जबकि...

बिहार एजेंसी: बिहार में नई सरकार बनने से पहले जेडीयू बीजेपी गठबंधन में मंत्रिमंडल के स्वरूप और विभागों के बंटवारे को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। दिल्ली में जेडीयू नेताओं राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह और कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ करीब ढाई घंटे लंबी बैठक हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में मंत्रालयों के बंटवारे, विधानसभा अध्यक्ष पद और दोनों दलों की भूमिकाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। गृह मंत्रालय पर अटका मामला बीजेपी इस बार गृह मंत्रालय और शिक्षा विभाग अपने पास चाहती है और इसके बदले स्वास्थ्य व वित्त मंत्रालय छोड़ने के लिए तैयार है। जेडीयू शिक्षा विभाग छोड़ने पर सहमत दिख रही है, लेकिन गृह मंत्रालय को लेकर स्थिति जस की तस बनी हुई है। साल 2005 से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गृह मंत्रालय अपने पास रखते आए हैं। कानून-व्यवस्था, पुलिस प्रशासन और भ्रष्टाचार नियंत्रण पर सीधी पकड़ की वजह से वे इसे छोड़ने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे में गृह मंत्रालय को लेकर सहमति बनना अभी मुश्किल माना जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष पद पर बनी सहमति विधानसभा अध्यक्ष पद को लेकर चली खींचतान अब खत्म हो गई है। बीजेपी के खाते में विधानसभा अध्यक्ष और जेडीयू के खाते में उपाध्यक्ष पद तय कर दिया गया है। इसके बाद मंत्रिमंडल की संभावित संरचना पर बातचीत और तेज हो गई है। संभावित विभागीय बंटवारा बीजेपी के खाते में संभावित प्रमुख विभागः राजस्व सहकारिता पशु एवं मत्स्य संसाधन विधि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण उद्योग पर्यटन पथ निर्माण (बीजेपी गृह और शिक्षा विभाग भी चाहती है; बदले में स्वास्थ्य और वित्त छोड़ने की पेशकश) जेडीयू के खाते में संभावित प्रमुख विभागः कृषि खान एवं भूतत्व जल संसाधन संसदीय कार्य ऊर्जा योजना एवं विकास विज्ञान एवं प्रावैधिकी तकनीकी शिक्षा ग्रामीण विकास खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण अंतिम सहमति का इंतजार दोनों दलों के बीच कुल हिस्सेदारी लगभग तय मानी जा रही है। फिलहाल सबसे बड़ा मतभेद गृह मंत्रालय को लेकर है, जिसे नीतीश कुमार अपने पास रखने पर अडिग हैं। विधानसभा अध्यक्ष पद पर सहमति के बाद उम्मीद है कि आज देर रात एक और बैठक होगी, जिसमें सरकार की अंतिम रूपरेखा स्पष्ट होने की संभावना है।

तीन अलग-अलग पते पर बने आतंकी डॉ. शाहीन के पासपोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली धमाके की आरोपी राजधानी लखनऊ के खंदारी बाजार की डॉ. शाहीन शाहिद के पास से तीन पासपोर्ट मिला है। तीनों पर अलग-अलग पते, अलग-अलग अभिभावक के नाम दर्ज हैं। एजेंसियां इसे आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के लिए बनवाए जाने की बात कह रहीं हैं। इन पासपोर्ट को बनवाने व जांच करने वाले अधिकारियों के बारे में भी एजेंसियां जांच कर रही है। लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर धमाके और फरीदाबाद में विस्फोटक पकड़े जाने के बाद सफेद पोश आतंकी माड्यूल का खुलासा हुआ। इस मामले में अब तक देश की बड़ी सुरक्षा एजेंसियों एनआईए, एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 6 डॉक्टर, दो मौलवी समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। अभी तक की जांच में सामने आया कि इस मॉड्यूल की प्रमुख सदस्यों में अल-फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद की डॉ. शाहीन शाहिद है। डॉ. शाहीन शाहिद के पासपोर्ट की जांच में कई संदिग्ध खुलासे हुए हैं। लखनऊ निवासी डॉ. शाहीन शुरुआत में कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज से जुड़ी थी। तब उसने अपने पासपोर्ट को अपडेट करवाया था। जिसमें पते और अभिभावक के नाम बदलते रहे। सूत्रों के अनुसार, यह बदलाव उनके धार्मिक कट्टरवाद और आतंकी घटना के बाद फरार होने की साजिश का हिस्सा है।

जांच में सामने आया कि डॉ. शाहीन के पासपोर्ट में पहले कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज का पता दर्ज था, जहां वे नौकरी करती थी। नौकरी छोड़ने के बाद दूसरे पासपोर्ट में लखनऊ का पता जोड़ा गया। तीसरे में फरीदाबाद का पता आया, जो अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा था। अंतिम पासपोर्ट में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ का पता दर्ज है, जहां उसके भाई परवेज अंसारी नौकरी करता है। परवेज को भी धार्मिक कट्टरवाद के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। साथ ही डॉ. शाहीन ने अपने अभिभावक का नाम भी कई हर बार बदल दिया है। पहले पासपोर्ट में पिता का नाम दर्ज है। वहीं दूसरे में पति और तीसरे में भाई का नाम दर्ज कराया है। जांच कर रही एजेंसी की माने तो यह सब डॉ. शाहीन की पहचान छिपाने और विदेश भागने की तैयारी में किया गया।

एसआईआर के खिलाफ दिल्ली में रैली करेगी कांग्रेस

-खडग़े बोले- हम वोटर्स को हटाने की कोशिश का विरोध करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने 12 राज्यों में एसआईआर को लेकर बैठक की। इसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े बैठक, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। पार्टी दिसंबर के पहले हफ्ते में दिल्ली के रामलीला मैदान पर एसआईआर के खि?लाफ रैली करेगी। बैठक में केसी वेणुगोपाल, संबंधित राज्यों के कांग्रेस प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता तथा उन राज्यों के कांग्रेस कार्यसमिति सदस्यों सहित वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में खडग़े ने कहा कि कांग्रेस वोटर लिस्ट से नाम नहीं हटाने देगी। ऐसे समय में जब लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कम हो रहा है, चुनाव आयोग का आचरण अत्यंत निराशाजनक है।

चुनाव आयोग को यह बताना चाहिए कि वह भाजपा की छत्रछाया में काम नहीं कर रहा है। भाजपा वोट चोरी के लिए एसआईआर को हथियार बनाने की कोशिश कर रही है, अगर चुनाव आयोग ने नजरअंदाज कर दिया, तो यह चुप्पी साध लेने जैसा होगा। कांग्रेस असली मतदाताओं को हटाने या फर्जी मतदाताओं को शामिल करने की हर कोशिश का पर्दाफाश करेगी।

एसआईआर का विरोध बढ़ा

निर्वाचन आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर पश्चिम बंगाल के बाद केरल और तमिलनाडु में विरोध बढ़ता जा रहा है। तमिलनाडु के बीएलओ के साथ ही तहसीलदार लेवल तक के अधिकारियों ने मंगलवार से बायकॉट का ऐलान किया है। तमिलनाडु राजस्व कर्मचारी संघों के संगठन ने कहा कि वे वर्कलोड, कम लोग, टाइम लिमिट दबाव और अधूरी ट्रेनिंग और मेहनताने विरोध में प्रदर्शन करेंगे। इधर, केरल सरकार ने स्थानीय निकाय चुनाव पूरे होने तक एसआईआर स्थगित करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। राज्य का तर्क है कि स्थानीय चुनावों के साथ-साथ एसआईआर कराना कठिन है।

बिहार मॉडल पर होगी तमिलनाडु में भी शानदार जीत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले—2026 में चमकेगा राजग

विरुधुनगर (एजेंसी)। बिहार चुनाव में मिली सफलता से उत्साहित भारतीय जनता पार्टी ने अब तमिलनाडु में भी उसी मॉडल पर बड़ी जीत का दावा किया है। राज्य भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने कहा है, कि 2026 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शानदार जीत दर्ज करेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नागेन्द्रन ने कहा कि बिहार चुनाव परिणाम केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और जदयू के सुशासन की जनता द्वारा दी गई मान्यता है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं को लोगों ने पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमें बिहार में इतनी बड़ी जीत की उम्मीद नहीं थी। यह हमारे गठबंधन के लिए ऐतिहासिक सफलता है। अब तमिलनाडु में भी राजग अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में शानदार जीत सुनिश्चित करेगा। इस दौरान नागेन्द्रन ने केंद्र की योजनाओं का विरोध करने को लेकर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि फ्रपीएम श्रीफ्र जैसी शिक्षा से संबंधित केंद्र प्रायोजित योजनाएं जनता के हित में हैं, और राज्य सरकार को इस दिशा में सकारात्मक रुख दिखाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया, जब पड़ोसी राज्य केरल ने अपने नागरिकों के हित में 'पीएम श्री' योजना को स्वीकार कर लिया है, तो तमिलनाडु सरकार को इसे लागू करने में क्या आपत्ति है?

सीएम योगी ने गोरखपुर में एसआईआर फॉर्म भरा... जनता से की अपील

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में अपना फॉर्म भरने और राज्य के मतदाताओं से भी ऐसा करने की अपील की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने निर्वाचन क्षेत्र गोरखपुर में एसआईआर फॉर्म भरा। उन्होंने मतदाताओं से गणना फॉर्म भरने की अपील की, और कहा कि सत्यापित मतदाता एक मज़बूत लोकतंत्र की नींव हैं।

राष्ट्रव्यापी एसआईआर का दूसरा चरण वर्तमान में उत्तर प्रदेश सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जा रहा है (अन्य राज्य- अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, और पश्चिम बंगाल) शामिल है। योगी ने लिखा कि सत्यापित मतदाता एक मज़बूत लोकतंत्र की नींव हैं। आज, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत, मैंने स्वयं गोरखपुर में अपना गणना फॉर्म भरकर जमा किया। आप सभी एसआईआर फॉर्म अवश्य भरें। आपका यह छोटा सा प्रयास भारत के लोकतंत्र को मज़बूत करेगा।

एसआईआर का गणना चरण शुरू- 4 नवंबर से शुरु होकर 4 दिसंबर, 2025 को समाप्त होगा। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी, 2026 को किया जाएगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पहले लखनऊ में गणना फॉर्म भरा और अधिकारियों को सौंपा। राज्य भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और महासचिव (संगठन), धर्मपाल सिंह ने स्ढ्ढक्र अभ्यास के लिए संगठनात्मक बैठकों को संबोधित किया। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अनुसार, उत्तर प्रदेश में कुल 15,44,30,092 मतदाताओं को 15,27,32,201 फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं, और 19,57,407 फॉर्म डिजिटल किए जा चुके हैं।

बिहार चुनाव हाईजैक हुआ, पोलिंग के दिन तक पैसे बांटे गए: गहलोत

-चुनाव आयोग सरकार से मिला है, ये लोकतंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं

जयपुर (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की हार को लेकर राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव में हार-जीत चलती रहती है। बिहार में जिस तरह चुनाव हाईजैक किया गया, महिलाओं को दस हजार रुपए दिए गए। चुनाव चल रहे थे और पैसे बांटा जा रहा था। पोलिंग के दिन तक पैसे बांटे गए और चुनाव आयोग देखता रहा।

गहलोत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस का सफाया हो गया है और कांग्रेस टूट जाएगी। कांग्रेस सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के नेतृत्व में पूरी तरह एकजुट है। जो चुनौती देश के सामने एनडीए द्वारा पेश की गई है, उसका मुकाबला करने में हम सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी में दो साल से कोई अध्यक्ष नहीं बन पा रहा है तो फूट किसकी पार्टी में है? चुनाव हारने के पीछे का कारण पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वहां धनबल का इस्तेमाल किया गया। महिलाओं को पैसा देना एक पहलू है, लेकिन तमाम योजनाओं के जरिए पैसे बांटे गए हैं, आंकड़े चौंकाने वाले हैं।

गहलोत ने कहा कि अंता विधानसभा उपचुनाव मौजूदा राज्य सरकार के फेल होने के कारण हम जीत गए। जब कांग्रेस की सरकार थी और जो योजनाएं हमने चलाईं, उनकी चर्चा पूरे देश में है। उनका बड़ा प्रभाव आज भी है। लोग पछताते हैं कि सरकार चली गई और नई सरकार में कोई सुशासन नहीं है। उनके पास एक ही काम है- हमारी योजनाओं को या तो बंद करो या उन्हें कमजोर कर दो। सरकार के इस रवैये से हम अंता विधानसभा उपचुनाव 15 हजार वोटों से जीते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग सरकार से मिला हुआ है और ये लोकतंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। उन्हें चाहिए कि तमाम पार्टियों को भरोसे में लें बातचीत करें। एसआईआर को लेकर जो तरीका अपनाया गया, उससे उनकी मंशा पर सवाल उठ रहे हैं।

बिहार नहीं छोडूंगा, गांव-गांव घूमकर लोगों को जागरुक करने का काम करुंगा: पीके

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में शर्मनाक हार झेलने वाली जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर नतीजों के बाद पहली बार मीडिया के सामने आए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह बिहार नहीं छोड़ने वाले हैं, गांव-गांव घूमकर लोगों को जागरुक करने का काम जारी रखेंगे। बिहार चुनाव में हार का वह प्रायश्चित करेंगे। इसके लिए वह 20 नवंबर को अपने गांधी आश्रम में सामूहिक रूप से मौन उपवास करेंगे। उन्होंने राजनीति छोड़ने वाली बात से इनकार किया है। साथ ही कहा कि वह 6 महीने में संन्यास ले लेंगे अगर नीतीश कुमार की नेतृत्व वाली एनडीए सरकार एक काम कर लेगी।

पटना में मंगलवार को प्रशांत किशोर ने जन सुराज पार्टी को बिहार चुनाव में एक भी सीट नहीं मिलने और हार मिलने की पूरी जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि वह साढ़े 3 साल पहले व्यवस्था परिवर्तन के संकल्प आए थे। ईमानदार प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। उन्होंने कहा कि वह बिहार में व्यवस्था परिवर्तन तो छोड़िए, सत्ता परिवर्तन भी नहीं करा सकें। कुछ गलती हुई होगी, इसलिए जनता ने हम पर भरोसा नहीं किया।

पीके ने कहा कि चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने 40 हजार करोड़ रुपये की योजनाएं लाए थे। स्वरोजगार योजना के तहत डेढ़ करोड़ महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए दिए। सरकार ने यह भी वादा किया था कि 6 महीने में 2-2 लाख रुपये देने का वादा भी किया गया था। पीके ने कहा कि अब नीतीश और बीजेपी की एनडीए सरकार पर यह जिम्मेदारी है कि वह 2-2 लाख रुपये इन परिवारों को दें, ताकि इनकी गरीबी दूर हो सके।

कर्नाटक में धर्म पूछकर लूट और मारपीट करने के लगे आरोप

-पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की शुरु

बैंग्लुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के शिवमोग्गा में एक व्यक्ति ने दावा किया है कि उसका धर्म पूछने के बाद उसके साथ मारपीट की। एफआईआर के मुताबिक एक व्यक्ति रात करीब 11.15 बजे सेकंड क्रॉस डाउन के पास पैदल जा रहा था, तभी चार लोगों ने उसे रोका और पूछा कि तुम मुस्लिम हो या हिंदू? इस पर उसने जवाब दिया कि मैं हिंदू हूं। यह सुनने के बाद उन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। जेब से 50 हजार रुपए भी निकाल लिए। इसके बाद चाकू दिखाकर उसकी सोने की अंगूठी उतारने को कहा। पीड़ित ने बताया कि वह किसी तरह वहां से भागने में सफल रहा, लेकिन हमलावरों ने पीछा किया। उसे पकड़ लिया और फिर पीटा। तभी एक बाइक सवार गुजरा, जिसे देखने के बाद हमलावर भाग गए। पीड़ित ने दो अस्पतालों में अपना इलाज कराया। वह डर के मारे दो दिन तक घर पर ही रहा। आखिरकार 17 नवंबर को उसने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिवमोग्गा के विधायक एसएन चन्नबसप्पा पीड़ित के साथ दोड्डापेटे पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिवमोग्गा पुलिस की कड़ी आलोचना की। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या शहर में पुलिसिंग की कोई व्यवस्था बची है? उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी नागरिक विवादों में दखल दे रहे हैं, लेकिन जनता की सुरक्षा जैसे बुनियादी कर्तव्य की उपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर के लोग अब पुलिस के पास जाने से भी सुरक्षित महसूस नहीं करते।

संपादकीय

न्यायसंगत आरक्षण

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दशार्ता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं। निश्चित रूप से स्पष्ट मानदंड, सामाजिक पिछड़ेपन का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने और दुरुपयोग को रोकने के लिये कारगर सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणी इस बात की ही परिचायक है कि सामाजिक न्याय का विस्तार होना चाहिए। अनुसूचित जातियों के आरक्षण से क्रीमी लेयर को सोच-समझकर बाहर करने से समानता के संवैधानिक वायदे की पुष्टि हो सकती है। इस पहल के विरोध में यह तर्क दिया जा सकता है यदि अनुसूचित जाति वर्ग के आरक्षण के उपवर्गीकरण को मान्यता दी जाती है, तो पहले इससे लाभान्वित लोगों को सुरक्षा कवच न मिल सकेगा।

चिंतन-मनन

मूल्य भावना का

भगवान बुद्ध जेतवन में ठहरे हुए थे। हर सुबह वह भिक्षावृत्ति को निकलते तो उन्हें मार्ग में एक किसान अपने खेत में काम करता मिलता। अपने कार्य के प्रति उसकी निष्ठा देख बुद्ध के मन में उसके लिए करुणा उमड़ी। वह प्रतिदिन वहां रुककर उस किसान को कुछ उपदेश देने लगे। जब उस किसान की फसल तैयार हुई तो उसने संकल्प किया कि वह अपनी फसल का एक हिस्सा भगवान बुद्ध को और भिक्षु संघ को भेंट करेगा। दुर्योगवश उसी रात मूसलाधार वर्षा हुई और उसकी सारी फसल चौपट हो गई। अगले दिन जब भगवान बुद्ध वहां से गुजरे तो उन्होंने किसान को वहां रोता हुआ पाया। पूछने पर किसान उनको सारी घटना सुना कर बोला, 'प्रभु! मुझे दुख अपने नुक्सान का नहीं, वरन इस बात का है कि मैं आपकी सेवा का यह अवसर चूक गया'

बुद्ध मुस्कराए और बोले, 'भंते! मूल्य वस्तुओं का नहीं, भावनाओं का होता है। तुम्हारे हृदय में उमड़ी भावनाएं तो मुझ तक कल ही पहुंच गई थीं। इनके कारण तुम उससे ज्यादा पुण्य के भागी बन गए हो, जितना तुम उस फसल को समर्पित करके बनते। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है' किसान की आंखें यह सुनकर नम हो उठीं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस : उपेक्षित संवेदनाओं और अनदेखें संघर्षों का सच

ललित गर्ग

महिला दिवस की तर्ज पर ही पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाने लगा है। पहला अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 1999 में 19 नवंबर को डॉ. जेरोम टीलकसिंह ने त्रिनिदाद और टोबैगो में मनाया था। दुनिया के 30 से अधिक देशों में यह दिवस मनाया जा रहा है। यह केवल पुरुषों का उत्सव नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक परिदृश्य में उनकी स्थिति, संघर्षों और मनोभावों को समझने का मौका है। जैसे स्त्रियाँ वर्षों से असमानता, उपेक्षा और अन्याय के बोझ से जूझती रही हैं, वैसे ही आज पुरुष भी कई स्तरों पर अपने शोषण एवं उत्पीडित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की ही भांति अब पुरुषों पर भी उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की बात की जा रही है। वे भी दबाव, अवसाद और सामाजिक पूर्वाग्रहों का सामना कर रहे हैं। दुर्भाग्य यह है कि पुरुषों की पीड़ा, उनके संघर्ष और उनकी संवेदनाएँ उतनी चर्चा का विषय नहीं बनते, जितना कि वे बनना चाहिए। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि समाज केवल स्त्रियों से ही नहीं, पुरुषों से भी बनता है और किसी एक की उपेक्षा पूरे संतुलन को बिगाड़ देती है। 2025 के लिए इस दिवस की थीम 'पुरुषों और लड़कों का उत्सव' है।

आज का पुरुष बदलते समय के साथ एक दोहरी चुनौती से जूझ रहा है-एक ओर उससे पारंपरिक भूमिकाओं को निभाने की अपेक्षा की जाती है, दूसरी ओर नये सामाजिक ढाँचों में भावनात्मक रूप से अधिक संवेदनशील, सहयोगी और सहचर होने का दबाव है। संघर्ष यह है कि इस परिवर्तन में उसकी पीड़ा, द्वंद्व और टूटन को गंभीरता से नहीं सुना जाता। उसे मजबूत, कठोर और समस्यारहित मान लेने का भ्रम उसकी वास्तविक जरूरतों को छिपा देता है। यही कारण है कि आधुनिक पुरुष स्वयं को कई बार दोयम दर्जे की स्थिति में पाता है-एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसे समाज जिम्मेदारी तो देता है, पर अधिकार और संवेदना नहीं। पुरुषों पर हो रहे अत्याचारों की अनदेखी भी चिंताजनक है। घरेलू हिंसा, झूठे मुकदमे, अभिभावकत्व के अधिकारों से वंचित होना, मानसिक प्रताड़ना, कार्यस्थलों पर उत्पीड़न-ये सब वास्तविक समस्याएँ हैं, जिन्हें अक्सर मजाक या अतिशयोक्ति कहकर टाल दिया जाता है। पुरुष के दर्द को 'मर्द को दर्द नहीं होता' जैसी रूढ़ि निगल जाती है। जबकि सच यह है कि भारत में पुरुष भी आत्महत्या, अवसाद और मानसिक दबाव के शिकार बन रहे हैं। कई रिपोर्टों में यह तथ्य सामने आया है कि अवसाद और आत्महत्या के मामलों में पुरुषों की संख्या महिलाओं की तुलना में अधिक है, पर इस पर चर्चा समाज की प्राथमिकता नहीं बनती। यह उपेक्षा न केवल अमानवीय है, बल्कि समाज के संतुलन को खतरे में डालने वाली भी है। कुछ वर्ष पूर्व भारत में सक्रिय अखिल भारतीय पुरुष एशोसिएशन ने भारत सरकार से एक खास मांग की कि महिला विकास मंत्रालय की भांति पुरुष विकास मंत्रालय का भी गठन किया जाये। इसी तरह यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं। प्रश्न है कि आखिर पुरुष इस तरह की अपेक्षाएं क्यों महसूस कर रहे हैं? लगता है पुरुष अब अपने ऊपर आघातों एवं उपेक्षाओं से निजात चाहता है। तरह-तरह के कानूनों ने उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाया है। जबकि आज बदलते वक्त के साथ पुरुष अब अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील हो चुका है। कई युवा पुरुष समाज-निर्माण की बड़ी जिम्मेदारियों को उठा रहे हैं और अपनी काबिलीयत व जुनून से यह साबित भी कर रहे हैं।

समाज हमेशा पुरुष से अपेक्षा करता है कि वह परिवार की रीढ़ बने, आर्थिक व भावनात्मक उत्तरदायित्व निभाए, कठिनाई में ढाल की तरह खड़ा रहे। लेकिन जब वही पुरुष कमजोर पड़ता है, टूटता है, या न्याय चाहता है, तो वह उपेक्षित कर दिया जाता है। पुरुष को यह अधिकार मिलना ही चाहिए कि वह अपनी पीड़ा कह सके, अपने अधिकारों की रक्षा कर सके और गलत आरोपों से मुक्त हो सके। जैसे महिलाओं के लिए सुरक्षा और न्याय के तंत्र बनाए गए, वैसे ही पुरुषों के लिए भी कुछ संवेदनशील और न्यायपूर्ण व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। यह समझना आवश्यक है कि पुरुष समाज के निर्माण का अभिन्न हिस्सा है-वह पिता है, पति है, पुत्र है, भाई है, मित्र है। उसकी उपस्थिति के बिना किसी भी परिवार या समाज की कल्पना अधूरी है। वह जिम्मेदारियों से भरा हुआ व्यक्ति है, लेकिन इसी वजह से वह सबसे अधिक दबाव और अपेक्षाओं का भार उठाता है। यह भी सच है कि पुरुष ही समाज के विकास, विज्ञान, कला, परिश्रम और संरचना के बड़े हिस्से का वाहक रहा है। लेकिन इस योगदान के बावजूद, आज पुरुषों की समस्याओं के प्रति संवेदना बढ़ाने की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस का संदेश यही है कि महिलाओं के समान ही पुरुषों की भी गरिमा, सुरक्षा, सम्मान और संवेदनाओं की रक्षा की जानी चाहिए। लैंगिक समानता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों पर बने अनुचित पूर्वाग्रहों को भी तोड़ना है। एक स्वस्थ, संतुलित समाज वही है जिसमें दोनों लिंगों की समस्याओं को समान रूप से सुना और समझा जाए। पुरुषों को कठोरता की बेड़ियों से मुक्त कर, उनके भावनात्मक अस्तित्व को स्वीकार करना समय की मांग है। पुरुष दिवस हमें जागरूक करता है कि सह-अस्तित्व, सहयोग, संवाद और करुणा ही पुरुष-स्त्री के संबंधों का वास्तविक आधार हैं। पुरुष और स्त्री एक-दूसरे के विरोधी नहीं, पूरक हैं। इसलिए उनकी समस्याओं, अधिकारों और जिम्मेदारियों को भी पूरक दृष्टि से ही देखा जाना चाहिए। जब समाज पुरुष की पीड़ा को भी उतनी ही गंभीरता से सुनेगा, जितनी वह स्त्री के आर्तनाद पर देता है, तभी हम सच्चे अर्थों में संतुलित और मानवीय समाज का निर्माण कर पाएँगे। महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर कानून भी बने हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। 'सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन' और 'माई नेशन' नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। वे भी अपने अस्तित्व की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये आवाज उठाना चाहते हैं।

बिखरा हुआ विपक्ष, अहंकार में डूबे क्षेत्रीय दल, भाजपा का अमृतकाल

सनत जैन

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों को 202 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है, जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह जीत भी तब मिली जब इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे पर पूरे बिहार में रैली निकालकर जन जागरण का काम किया। चुनाव-प्रचार के दौरान सरकार के खिलाफ भारी विरोध जनता के बीच में देखने को मिला। उसके बाद भी एनडीए गठबंधन की यह जीत सभी को आश्चर्यचकित कर रही है। यह चमत्कार कैसे हुआ? मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और अब बिहार में जिस तरह की जीत मोदी और शाह की जोड़ी ने हासिल की है, उसे देखते हुए यह स्पष्ट प्रतीत होने लगा है कि राज्यों में भाजपा अपनी ही सरकार बनाकर 2047 तक का जो सपना उन्होंने देखा है उसे साकार करने में लग गई है। केंद्र एवं राज्य में भाजपा की ही सरकार हो इसके लिए जो रणनीति 2017 से भाजपा और संघ बना रहा था वह पूरी तरीके से परवान चढ़ चुकी है। लोकसभा 2024 के चुनाव में भाजपा से एक गलती हुई थी, कि उसने यह मान लिया था कि 300 सीटों पर उसका कब्जा है। उसने उन 100 सीटों पर ध्यान दिया था, जहां से वह 400 सीट का लक्ष्य प्राप्त करना चाहते थे, लेकिन सत्ता पक्ष के खिलाफ जो वातावरण बन गया था उसमें 300 सीटों को वह बचा के नहीं रख पाए। वहीं पर उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान हुआ और 240 सीटों पर आकर भाजपा रुक गई। इस गलती से भाजपा ने सबक लिया और अब उसने चुनाव आयोग के माध्यम से जीत की जो नई इबारत लिखना शुरू की है उसका विपक्ष के पास कोई तोड़ नहीं है। विपक्षी दलों के बीच में यह कहा जा रहा है कि वो जाएं तो कहां जाएं, केंद्रीय चुनाव आयोग में जो आयुक्त हैं वह सरकार द्वारा नियुक्त किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट में उसके खिलाफ जो याचिका लगी हैं उस पर आज तक सुनवाई नहीं हुई। संसद के 141 सदस्यों को बर्खास्त कर सरकार ने संसद से चुनाव कानून पास कराया था। चुनाव आयुक्तों के ऊपर कोई भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता है। सरकार ने कानून बनाकर उसे असीमित शक्तियां दे दी हैं। ऐसे में कहा जा रहा, कि न्याय पालिका से अब जो भी न्याय मिल रहा है वह सरकार को मिल रहा है। न्याय पालिका विपक्ष के ऊपर आक्रामक है। ईडी, सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियां जिस तरीके से विपक्ष को निशाने पर लेती हैं, न्यायपालिका से उन्हें संरक्षण मिलता है। ऐसी स्थिति में एक-एक करके समस्त विपक्षी दलों के नेता और क्षेत्रीय दलों के नेता भाजपा के निशाने पर हैं। एक-एक करके उन राज्यों में भी भाजपा बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाती जा रही है जहां पर भाजपा का पहुंच पाना संभव ही नहीं था। इस मामले में चुनाव आयोग की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो गई है। चुनाव आयोग कई ऐसे सॉफ्टवेयर उपयोग में ला रहा है जो चुनाव में मनमाफिक चुनाव परिणाम मशीन की सहायता से ला सकते हैं। चुनाव आयोग ने पूरी चुनाव व्यवस्था का केंद्रीय कारण कर लिया है। चुनाव आयोग में जो भी डिजिटाइजेशन है उस पर चुनाव आयोग का ही नियंत्रण है। ईवीएम मशीन, वीवीपेट, मतदाता सूची और मतगणना सभी पर केंद्रीय चुनाव आयोग का नियंत्रण है। चुनाव आयोग से संबंधित कार्यों के लिए जो ईवीएम मशीन और वीवीपेट वगैरा इस्तेमाल किए जा रहे हैं, उनकी जो सॉफ्टवेयर कंपनियां हैं उनमें भाजपा के ही पदाधिकारी सदस्य बनकर काम कर रहे हैं। मतदान, मतगणना और मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर राहुल गांधी तथ्यों के साथ पत्रकार वार्ता करके जो गड़बड़ियां की गई हैं उन्हें उजागर कर चुके हैं। एडीआर ने भी 2024 के लोकसभा चुनाव में लगभग 80 लोकसभा सीटों पर मतदान और मतगणना के परसेंटेज और चुनाव परिणाम को लेकर चुनाव आयोग को जो आपत्ति दर्ज कराई थी उसे भी चुनाव आयोग ने ठंडे बस्ते में डाल रखा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में भी जब ये मामले जाते हैं तब इन मामलों पर तारीख पर तारीख मिलती है। सुनवाई और फैसला किसी मामले में नहीं होता है। इस स्थिति में विपक्ष और क्षेत्रीय दलों की मूर्खता और सत्ता लोलुपता के कारण भाजपा को दिन प्रतिदिन शक्तिशाली बनाती चली जा रही है। उड़ीसा जैसे राज्य में जिस तरह से भाजपा ने सत्ता हासिल की है, पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र में अपने ही सहयोगी दलों को एक तरह से खत्म कर दिया है। बिहार के भी जो चुनाव परिणाम आए हैं उसमें भले नीतीश बाबू की पार्टी दूसरे नंबर की हो लेकिन जिस तरह से उनकी पार्टी के अंदर भाजपा ने सेंध लगा दी है उसमें नीतीश बाबू भी फड़फड़ा रहे हैं। अब उनके पास भी उनका और उनकी पार्टी का कोई स्वतंत्र आधार नहीं रहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा अच्छी तरह से जानती हैं जब तक कांग्रेस की बागडोर गांधी परिवार के हाथ में है तब तक उसका मुकाबला नहीं किया जा सकता है। 75 वर्षों के बाद भी कांग्रेस आज 300 से ज्यादा लोकसभा सीटों में प्रभावशाली है। भाजपा को चुनौती केवल कांग्रेस से है। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और संघ के निशाने पर केवल कांग्रेस है। जो क्षेत्रीय दल आज देश में विभिन्न राज्यों में देखने को मिल रहे हैं वह कांग्रेस की विरासत पर ही राज कर रहे हैं। भाजपा इसको अच्छे तरीके से जानती है। कांग्रेस और उन्हें एकजुट नहीं होने देना चाहती है। यदि विपक्ष और क्षेत्रीय दल संविधान और लोकतंत्र की इस लड़ाई में कांग्रेस के साथ एकजुट हो गए तो फिर सत्ता में बने रहना भाजपा के लिए मुश्किल ही नहीं असंभव हो जाएगा। पिछले एक दशक में एक-एक करके क्षेत्रीय दल समाप्त होते चले जा रहे हैं। मायावती जैसी नेता और उनकी पार्टी बसपा आम आदमी पार्टी जो भाजपा के ही गर्भ से निकली थी उसे भी भाजपा ने पनपने नहीं दिया। केजरीवाल अपने आपको प्रधानमंत्री मोदी के मुकाबले में खड़ा करने लगे थे, उन्हें भी ठिकाने लगाने में ज्यादा देर नहीं लगी। यदि यही क्रम 2 साल और चल गया तो भारत के सभी राज्यों में भाजपा की ही सरकार होगी, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता है। जिस तरह से रावण के पास नौ ग्रह कैद थे, इसी तरह से केंद्र सरकार के अधीन जितनी भी संवैधानिक संस्थाएं हैं या जितनी भी व्यवस्थाएं कार्यरत हैं उन सब में भाजपा और संघ के लोग पिछले 10 साल में बैठ चुके हैं। ऐसी स्थिति में 2047 तक का जो लक्ष्य भाजपा ने निर्धारित किया है कि वह केंद्र और राज्यों की सत्ता में बने रहेंगे, वह पूर्ण होने से कोई रोक नहीं सकेगा। केंद्रीय चुनाव आयोग पूर्णतः सरकार के नियंत्रण में है। न्यायपालिका भी उसके काम में कोई हस्तक्षेप नहीं कर पा रही है। राजनीतिक दलों और राजनेताओं के प्रति कोई जवाब देही चुनाव आयोग की नहीं है। मतदाताओं के अधिकार भी लाखों की संख्या में चुनाव आयोग एसआईआर के माध्यम से राज्यों में खत्म करके मनचाहे चुनाव परिणाम, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दे रहा है। उसका मुकाबला करना बिखरे हुए विपक्ष और क्षेत्रीय दलों के बस की बात अब नहीं रही, यही कहा जा सकता है।

इंदिरा गांधी : नारी शक्ति का सबसे सशक्त राजनीतिक रूप

भारतीय राजनीति के व्यापक क्षितिज पर यदि किसी नेता का व्यक्तित्व अद्भुत दृढ़ता, निर्भीक निर्णय क्षमता और असाधारण नेतृत्व का प्रतीक बनकर उभरा तो वह निसंदेह इंदिरा गांधी थी। वह केवल एक राजनेता नहीं थी बल्कि भारतीय जनमानस में विश्वास, सुरक्षा और सामाजिक संतुलन की प्रतिमूर्ति के रूप में प्रतिष्ठित थी। उनके भीतर एक ऐसी ज्वाला थी, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी उन्हें अडिग बनाए रखती थी। उनका पूरा जीवन इस बात की मिसाल है कि किसी राष्ट्र का नेतृत्व केवल राजनीतिक चातुर्य से नहीं बल्कि साहस, समर्पण और अदम्य इच्छाशक्ति से किया जाता है। इंदिरा गांधी का व्यक्तित्व जितना दृढ़ था, उतना ही संवेदनशील भी। अपने पारिवारिक जीवन से लेकर राष्ट्रीय राजनीति तक, उन्होंने उतने ही साहसिक निर्णय लिए, जितनी निर्भीकता से उन्होंने स्वयं को विपरीत परिस्थितियों में संभाला। भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में बचपन से ही जुड़ने वाली इंदिरा ने महज 13 वर्ष की आयु में ह्यवानरसेनाह्ल का गठन कर अपनी नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रप्रेम का परिचय दिया था। यह वही बालिका थी, जो आगे चलकर भारत की पहली और अभी तक की एकमात्र महिला प्रधानमंत्री बनी।

1966 में जब एक युवा और अपेक्षाकृत अनुभवहीन महिला प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने पद संभाला, तब विश्व की बड़ी शक्तियां भी हैरान थीं। कई लोगों ने उन्हें 'गूंगी गुड़िया' के रूप में कमतर आंका लेकिन यह वही इंदिरा थी, जिन्होंने कुछ वर्षों में ही अपनी ऐसी छवि बनाई कि दुनिया उन्हें 'आयरन लेडी ऑफ इंडिया' कहने लगी। अमेरिकी मीडिया ने जिस सम्मान और गंभीरता से उनकी पहली अमेरिका यात्रा को कवर किया, वह उस समय किसी भी भारतीय नेता के लिए अभूतपूर्व था। उनका आत्मविश्वास, तेजस्विता और राजनीतिक परिपक्वता शीघ्र ही भारत की राष्ट्रीय पहचान बन गई। इंदिरा गांधी के तीन निर्णय भारतीय राजनीति के इतिहास में स्थायी रूप से अंकित रहेंगे, 14 निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण, राजाओं के प्रिवीपर्स की समाप्ति और 1971 में पाकिस्तान पर निर्णायक विजय। इन तीन कदमों ने न केवल उनके अद्वितीय साहस का प्रमाण दिया बल्कि भारत को नए आर्थिक, सामाजिक और भू-राजनीतिक मार्ग पर आगे बढ़ाया। बैंकों के राष्ट्रीयकरण ने देश की अर्थव्यवस्था को आम लोगों के अधिकार में लाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की। प्रिवीपर्स की समाप्ति ने भारत के गणतांत्रिक चरित्र को मजबूत किया और 1971 का युद्ध भारत की सैन्य और कूटनीतिक क्षमता का वैश्विक ऐलान था। इंदिरा के नेतृत्व में जन्मा बांग्लादेश न केवल क्षेत्रीय भू-राजनीति का नया आयाम था बल्कि मानवता और जनचेतना का भी अन्यतम उदाहरण था।

उनकी राजनीतिक शैली की सबसे दिलचस्प बात यह थी कि वह विपक्ष या अंतर्राष्ट्रीय दबावों से कभी नहीं घबराती थी। संसद में उन्हें घेरना आसान नहीं था। इंदिरा ने जीवन के हर मोड़ पर संघर्ष को अपना साथी बनाया। उनका निजी जीवन भी राजनीतिक जीवन की भांति रोमांचक और जटिल था। फिरोज गांधी से विवाह पर पिता की नाराजगी झेलने से लेकर वैवाहिक मतभेदों के बीच अपनी पहचान बनाए रखने तक, इंदिरा ने हमेशा अपने निर्णय स्वयं लिए। फिरोज गांधी की 1960 में अचानक मृत्यु ने उन्हें भीतर तक तोड़ दिया लेकिन इस आघात के बावजूद उन्होंने खुद को संभाला और देश की राजनीति में अग्रसर रही। यह वही दौर था, जब केवल 41 वर्ष की आयु में वे कांग्रेस की अध्यक्ष बनी और आगे चलकर देश की सत्ता का सबसे बड़ा दायित्व अपने हाथों में लिया।

उनका जीवन केवल उपलब्धियों से भरा नहीं था, उसमें परीक्षाओं की लंबी श्रृंखला भी थी। 1975 का आपातकाल उनके राजनीतिक जीवन का सबसे विवादास्पद अध्याय रहा। जयप्रकाश नारायण के आंदोलन ने जब सत्ता को चुनौती दी, तब उन्होंने प्रेस पर सेंसरशिप लगाई, नागरिक अधिकार सीमित किए और कई विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करवा दिया। यह निर्णय आज भी भारतीय लोकतंत्र में बहस का विषय है और इसे लोकतंत्र के काले अध्याय के रूप में स्मरण किया जाता है। 1977 में उन्हें चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह हार मानने वालों में से नहीं थी। तीन वर्ष बाद ही 1980 के चुनावों में उन्होंने अप्रत्याशित रूप से सत्ता में वापसी की और साबित कर दिया कि जनता का विश्वास पुनः अर्जित करना असंभव नहीं।

उनके जीवन का अंतिम अध्याय अत्यंत मार्मिक और दार्शनिक प्रतीत होता है। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर में उन्होंने जो भाषण दिया, वह मानो अपने भविष्य की पूर्वसूचना थी, ह्यमैं आज यहां हूं, कल शायद यहां न रहूं, मेरे खून का एक-एक कतरा भारत को मजबूत करेगाह्ल यह वाक्य उनकी अटूट आस्था और बलिदान की भावना को दशार्ता है। इस भाषण को सुनकर वहां मौजूद लोग स्तब्ध रह गए थे। जैसे उनकी आत्मा उन्हें आने वाले अनिष्ट का संकेत दे रही थी। अगली ही सुबह 31 अक्तूबर 1984 को अपने निवास के बाहर उन्होंने जीवन की अंतिम यात्रा तय कर ली। ऑपरेशन ब्लू स्टार के प्रतिशोध में अपने ही अंगरक्षकों द्वारा चलाई गई गोलियों की बौछार ने उन्हें राष्ट्रमाता से अमरत्व की ओर पहुंचा दिया। उनकी मृत्यु केवल एक प्रधानमंत्री का अंत नहीं थी बल्कि एक युग का अवसान था। भारत ने उस दिन केवल एक नेता नहीं खोया बल्कि वह शक्ति खो दी, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर दृढ़ता, संकल्प और गरिमा से परिचित कराया था।

इंदिरा गांधी के व्यक्तित्व का एक और महत्वपूर्ण पहलू था उनका विश्व दृष्टिकोण। उन्होंने तीसरी दुनिया के देशों की आवाज को मजबूती दी, गुटनिरपेक्ष आंदोलन को नई दिशा दी और वैश्विक मंचों पर भारत के आत्मसम्मान को सशक्त रूप से स्थापित किया। वह विकासशील देशों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती थी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें जितना सम्मान मिला, उतना ही सम्मान भारत के आम नागरिकों के हृदय में भी वे अर्जित करती रही। उनके भीतर का दृढ़ राष्ट्रवाद, सामाजिक सामरसता के प्रति प्रतिबद्धता और महिलाओं के सशक्तिकरण की प्रेरणा लाखों लोगों में आज भी जीवित है। उनका जीवन यही संदेश देता है कि बड़े पद और शक्तियां भी मनुष्य को कमजोर बना सकती हैं परंतु दृढ़ संकल्प, निडरता और नैतिकता ही किसी नेतृत्व की सच्ची कसौटी होती है। इंदिरा गांधी इसी कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरी। इसीलिए उन्हें केवल भारत की नहीं बल्कि विश्व राजनीति की महानतम नेताओं की श्रेणी में रखा जाता है। उनकी संपूर्ण जीवन यात्रा ने उन्हें भारत की लौह-स्तंभ बना दिया। इंदिरा गांधी का जीवन विरोधाभासों और अद्भुतताओं से भरी एक ऐसी महागाथा, जो संघर्ष से शुरू होकर शौर्य पर समाप्त होती है लेकिन अपने पीछे प्रेरणा की अमर छाप छोड़ जाती है। आज उनकी जयंती पर जब हम उन्हें स्मरण करते हैं तो उनकी राजनीतिक विरासत, उनकी दृढ़ता, उनका त्याग और राष्ट्र के लिए उनका अटूट समर्पण हमें पुनः याद दिलाता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो स्वयं को नहीं बल्कि अपने राष्ट्र को सर्वोपरि रखता है।

जिलाधिकारी ने विकासखंड गजरौला में जाकर गणना प्रपत्रों के वितरण कार्यों को परखा

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा सभी सम्बंधित अधिकारियों को बूथों पर जाकर बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में गणना प्रपत्रों का बी०एल०ओ० को वितरण की स्थिति, बी०एल०ओ० द्वारा गणना प्रपत्रों का मतदाताओं को वितरण की स्थिति, बुक ए कॉल विद बी०एल०ओ० के निस्तारण की स्थिति आदि की समीक्षा की गई। समीक्षा में जिलाधिकारी द्वारा ग्राम सलेमपुर गोसाई के बीएलओ द्वारा कार्य ठीक प्रकार पाया गया। जबकि ग्राम कुमराला के बीएलओ द्वारा समय से फार्म वितरित न करने, कलेक्ट न करने और फीडिंग न करने की लापरवाही के फल स्वरुप जिलाधिकारी ने वेतन बाधित करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ को निर्देश दिए कि गणना प्रपत्रों का वितरित ठीक प्रकार से करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बीएलओ को निर्देश दिए की सभी मतदाताओं को फार्म वितरित कर भरे गए फार्मो को जल्दी कलेक्ट करें और कलेक्शन के बाद फीड करने का कार्य जल्दी से शुरू करें। विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण (SIR) के अन्तर्गत बी0एल0ओ0 द्वारा घर घर जाकर गणना प्रपत्र का कार्यों की जांच की गई। इस दौरान उन्होंने संबंधित को निर्देश देते हुए कहा की गणना प्रपत्रों वितरण का कार्य ससमय पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही गणना प्रपत्र भरने हेतु मतदाताओ को बी0एल0ओ0 द्वारा सहयोग प्रदान किया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, खंड विकास अधिकारी बीएलओ सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कैलसा पाकबड़ा रोड पर सड़क के चौड़ीकरण के चल रहे कार्य का किया निरीक्षण

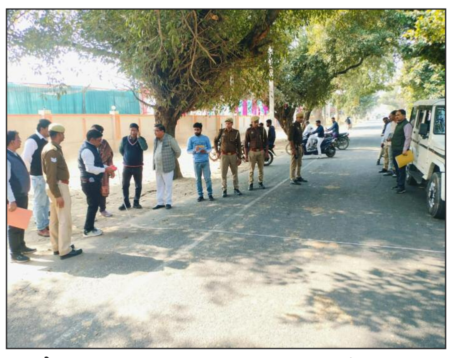

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा कैलसा पाकबड़ा रोड पर सड़क के चौड़ीकरण के चल रहे कार्य का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए की कार्य को समयावधि के अन्तर्गत पूर्ण कर लें। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने हो रही चौड़ीकरण सड़क को फीते से माप कर जांच की, जो सही पाई गई। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने संबंधित को निर्देश देते हुए कहा कि स्पीड ब्रेकर का आवश्यक ध्यान दिया जाए। यह सड़क अमरोहा से एनएच-09 तक कार्य किया जा रहा है जो निर्माण कार्य 4.5 से 14 तक किया जाएगा जिसकी कुल लंबाई 9.5 किलोमीटर है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने निर्देश दिए की कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए मानक के अनुसार कार्य पूर्ण होना चाहिए इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता गिरीश कुमार सिंह, सहायक अभियंता आजम वारिस, सहायक अभियंता प्रकाश सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

13 दिसम्बर को होने वाली लोक अदालत को सफल बनाने हेतु हुई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर को सफल बनाने हेतु समस्त न्यायिक अधिकारीगण की बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक का संचालन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ईश्वर सिंह एवं श्रीमति ज्योति अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा, ने किया। आहुत बैठक में उमेश कुमार प्रजापति एल0डी0एम0, लखवीर सिंह बैंक मैनेजन, पुनीत कुमार सैनी सीनियर बैंक मैनेजर, भूपेन्द्र सिंह सीनियर मैनेजर यू0बी0आई0, सचिन आदि उपस्थित रहे। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा ने सभी को राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु अधिक से अधिक वादों चिन्हित व चिन्हित वादों का निस्तारण करने के लिए कहा गया। तथा यह भी अनुरोध किया गया कि अधिक से अधिक मामलों/वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में चिन्हित कर जनपद अमरोहा की अधिक से अधिक वादकारियों को लाभ पहुंचाये तथा आहुत बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा के समस्त स्टाफ रितिक कुमार, सितिन कुमार, हर्षित आदि उपस्थित रहे।

यातायात माह के अंतर्गत थाना रहरा पुलिस एवं विद्यार्थियों द्वारा निकाली गई यातायात जागरूकता रैली

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रहरा थानाध्यक्ष अतवीर सिंह चौहान द्वारा थाना पुलिस बल तथा प्रकाशवीर शास्त्री इंटर कॉलेज, रहरा के विद्यार्थियों के साथ यातायात माह के अंतर्गत एक व्यापक यातायात जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली थाना रहरा से प्रारंभ होकर कस्बा रहरा, पौरारा मोड़ होते हुए भावली मोड़ तक निकाली गई, जिसके माध्यम से राहगीरों व स्थानीय नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। यात्रा के दौरान लोगों को एकत्रित कर उन्हें बताया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य प्रयोग करें, चार पहिया वाहनों में सदैव सीट बेल्ट लगाएं, 18 वर्ष से कम आयु के नाबालिगों को वाहन या ई-रिक्शा न चलने दें, नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन न खड़ा करें, ट्रैक्टर-ट्रॉली जैसे भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लाइट एवं रिफ्लेक्टर टेप अवश्य लगवाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें और किसी भी परिस्थिति में वाहन को रॉन्ग साइड न चलाएं। इसके साथ ही आमजन को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर–वढ-112 आपातकालीन सेवा, एम्बुलेंस 108, महिला हेल्पलाइन 1090 तथा फायर सर्विस 101–की जानकारी भी दी गई, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके।

जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन एवं श्री वेंक्टेश्वरा यूनिवर्सिटी के संयुक्त आयोजन से दिया एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश

गजरौला में मिनी मैराथन, हिमांशु और अंशु दौड़े सबसे तेज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर स्थित जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन एवं श्री वेंक्टेश्वरा यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने प्रतिभाग कर एड्स से बचाव के लिए जागरूकता का संदेश दिया। पुरुष वर्ग में आकाश एवं महिला वर्ग में अंशु सबसे तेज दौड़े जबकि बुजुर्गों की दौड़ में डॉक्टर दर्पण कौशिक अव्वल रहे। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दिए गए। आपको बता दें कि तिगरी मार्ग पर गांव कुमराला स्थित एचसीएस इंटर कॉलेज से शुरू हुई मिनी मैराथन को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी में प्रतिकुलाधिपति डॉक्टर राजीव त्यागी , सीएमओ डॉक्टर एसपी सिंह एवं मंडी धनोरा की एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जेबीएफ के मेडिकल हेड डॉक्टर सुजिंदर फोगाट ने बताया कि मिनी मैराथन दौड़ का उद्देश्य लोगों में एड्स से बचाव के प्रति जागरूकता लाना है।सीएमओ डा.एसपी सिंह ने इस आयोजन के लिए जुबिलेंट और वेंकटेश्वर समूह की प्रशंसा की।पांच किलोमीटर की यह मिनी मैराथन गांव तिगरी में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर संपन्न हुई। मैराथन में शामिल युवा हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लिए और नारे लगाते हुए चल रहे थे। मिनी मैराथन के पुरुष वर्ग में आकाश गजरौला दूसरे, आकाश धनोरा तीसरे, राजकुमार चौथे और हरविंदर पांचवें स्थान पर रहे। महिला वर्ग में उडीसा ने दूसरा, घनिष्ठा ने तीसरा, तनु ने चौथा और अंशी ने पांचवा स्थान प्राप्त किया। बुजुर्गों की दौड़ में मुनीराम दूसरे, महेंद्र मौर्य तीसरे और मूलचंद चौथे स्थान पर रहे। श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर कृष्णकांत दवे, जुबिलेंट एग्री एंड कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के यूनिट हेड देवेंद्र बंसल,जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, ऋषिपाल सिंह परमार, गजरौला सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर योगेंद्र सिंह, जेबीएफ में सीएसआर कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव, सर्वेंद्र सिंह आदि भी मौजूद रहे। जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि जुबिलेंट सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य करने में हमेशा से अग्रणी रही है। यह मिनी मैराथन भी उसी की एक कड़ी है।

गजरौला नगर को पालिका से मिलेगी 10 करोड़ की सौगात

बोर्ड मीटिंग में प्रस्तावों पर लगी मुहर अधिशासी अधिकारी ललित कुमार ने दी जानकारी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद में हुई बोर्ड की बैठक में गजरौला नगर को 10 करोड़ की लागत से चार चांद लगने वाले हैं इस बारे में मीटिंग के दौरान 10 करोड़ के प्रस्ताव पर मुहर लग चुकी है जिसकी जानकारी नगर पालिका गजरौला अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ने दी है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को नगर पालिका परिषद गजरौला में बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें तय हुआ है कि गजरौला नगर को 10 करोड़ की लागत से खूबसूरती के चार चांद लगने वाले हैं। पालिका परिसर में हुई बोर्ड की मीटिंग में 10 करोड़ के प्रस्ताव पर मोहर लग चुकी है। जिसकी जानकारी नगर पालिका अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ने दी है। इसके अलावा आपको गजरौला नगर पालिका परिषद की पिछले महीने हुई बोर्ड की बैठक में मारपीट का मामला भी सामने आया था जिसको लेकर मीटिंग को रद्द कर दिया गया था। इसके बाद मंगलवार को मीटिंग के दौरान पुलिस बल को वहां पर तैनात कर दिया गया और मीटिंग शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराई गई। वहीं नगर पालिका परिषद अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ने बताया कि मीटिंग में करीब 10 करोड़ के प्रस्तावों को मोहर लगाकर पास किया गया है जिससे गजरौला नगर पालिका में जगह-जगह उस रुपए को लगाया जाएगा और गजरौला के विकास व खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे। वहीं नगर पालिका अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी के पति पूर्व विधायक एवं स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिका परिषद की बैठक शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई है, हमारे सभी सभासदों की मौजूदगी में इस बैठक को संपन्न कराया गया है, जिसमें करीब 10 करोड़ के प्रस्तावों को पास किया गया है।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने पुलिस कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बहजोई स्थित पुलिस कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की सभी प्रमुख शाखाओं का बारीकी से जायजा लिया और अभिलेखों की स्थिति पर संतोष जताते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने प्रधान लिपिक कार्यालय, वाचक कार्यालय, आंकिक शाखा, डीसीआरबी, आईजीआरएस, स्टोर, रिकॉर्ड रूम, डिस्पैच कार्यालय, मॉनिटरिंग सेल, जन शिकायत प्रकोष्ठ तथा एएचटी थाना सहित सभी महत्वपूर्ण इकाइयों का दौरा किया। उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर, विभिन्न अभिलेखों और रिकॉर्ड की जांच की। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित कर्मियों को सभी अभिलेखों का उचित रख-रखाव तथा समय-समय पर उन्हें अध्यावधिक करने के सख्त निर्देश दिए। इस औचक निरीक्षण से थाना परिसर में कर्मचारियों में सक्रियता देखी गई। एसपी के इस कदम को पुलिस व्यवस्था में अनुशासन और पारदर्शिता लाने की दिशा में सकारात्मक पहल माना जा रहा है।

भाकियू शंकर ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर चकबंदी अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमरोहा(सब का सपना):- मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर भारतीय किसान यूनियन शंकर के जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह के नेतृत्व में चकबंदी बंदोबस्त अधिकारी सुशील कुमार शाही को जनपद की तहसील नौगांवा सादात के ग्राम ढक्का में चल रही चकबंदी प्रक्रिया बंद करने को ज्ञापन सोपा। तत्पश्चात संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि चकबंदी ना होकर लूटबंदी हो गई है चकबंदी अधिकारियों ने भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा को पार कर दिया है गांव में चल रही चकबंदी प्रक्रिया को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीण किसानों ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों की मिलीभगत से चकबंदी अधिकारियों ने अधिकांश किसानों की भूमि मनमाने तरीके से इधर-उधर कर दी है, जिससे छोटे और मध्यम वर्ग के किसान भारी परेशानी में आ गए हैं। किसानों का कहना है कि 1 से 2 बीघा वाले किसानों की जमीन सड़क मार्ग से हटाकर दूर कर दी गई है, जबकि कुछ चुनिंदा 10 से 15 लोगों को ही लाभ पहुंचाया गया है। ट्यूबवेल स्वामीयो की मूल जोत से चक हटाकर उड़ान चक बना दिए गए हैं मौके पर जमीन पूरी होने के बावजूद चकबंदी अधिकारियों ने नाप करने के बाद नक्शा 23 में उनकी जमीन कम दशार्या है ग्रामीणों ने स्पष्ट आरोप लगाया कि चकबंदी किसानों के हित में नहीं की गई बल्कि मनमानी, पक्षपात और बिना सहमति के की जा रही है। विरोध के बाद जिलाधिकारी द्वारा गांव में खुली बैठक कराई गई, जिसमें चकबंदी का विरोध करने वाले 401 मत और समर्थन में 118 मत आए। इसके बावजूद किसानों का आरोप है कि अधिकारियों ने सही रिपोर्ट पेश नहीं की और विरोध के बावजूद प्रक्रिया जारी रखी जा रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि चकबंदी प्रक्रिया को तत्काल निरस्त नहीं किया गया तो सभी किसान आमरण अनशन और भूख हड़ताल के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। किसानों ने अपील की है कि उनकी समस्याओं और तथ्यों को ध्यान में रखते हुए चकबंदी प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और निरस्त कर न्यायोचित कार्रवाई की जाए। यदि प्रक्रिया को निरस्त नहीं किया गया तो संगठन मजबूर होकर आमरण अनशन भूख हड़ताल करने को विवश होगा जिसकी जिम्मेदारी पूर्ण रूप से चकबंदी अधिकारियों व प्रशासन की होगी। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंहचौधरी धर्मवीर सिंह विक्रम पवार जगत सिंह चौहान अशोक देवी दरोगा अमीपाल सिंह अमित सिंह मनोज कुमार नेपाल सिंह सहित सैकड़ो किसान उपस्थित रहे।

महिलाओं पर अश्लील फब्तियाँ कसने वाला युवक गिरफ्तार, मिशन शक्ति टीम ने की कार्रवाई

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद में महिलाओं की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना रायसत्ती की मिशन शक्ति टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक सम्भल-जोया मार्ग स्थित प्राइवेट बस स्टैंड के पास सड़क किनारे से गुजर रही महिलाओं पर अश्लील इशारे करने और फब्तियाँ कसने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान इनामुल हसन (25) पुत्र अहमद हसन के रूप में हुई है। महिलाओं ने इसकी शिकायत मिशन शक्ति टीम से की, जिसके बाद टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को मौके से दबोच लिया। उसके खिलाफ थाना रायसत्ती में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि जनपद में महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की छेड़छाड़ या अश्लील हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मिशन शक्ति अभियान के तहत ऐसी घटनाओं पर सख्ती से नकेल कसी जा रही है और दोषियों को तुरंत सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है। जनपदवासियों से अपील की गई है कि महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी कोई भी शिकायत तुरंत पुलिस को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

वृद्धा आश्रम में वरिष्ठ नागरिक शिविर के हुए आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को वृद्धा आश्रम अमरोहा में वरिष्ठ नागरिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ज्योति चौधरी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हेमलता त्यागी, न्याालय पॉक्सों प्रथम, ऐश्वर्या कच्चा, न्यायिक मजिस्ट्रेट अमरोहा द्वारा वरिष्ठ नागरिक अधिनियम 2007 के प्रावधानों से वृद्धों को जागरूक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्योति चौधरी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिन ने की, बरिष्ठ नागरिकों से उनकी समस्यां पूछी गयी तथा उनकी समस्याओं का संबंधित विभाग को पत्राचार करने हेतु वृद्धा आश्रम अमरोहा की वार्बन को निर्देशित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पराविधिक स्वंय सेवक लोकमान सिंह ने किया इस अवसर पर सिचिन बौहान की०ई०० जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा एव पराविधिक स्वंय महेश सिंह, प्रीति, रामनिवास सैनी, वसीम अहमद, उपस्थित रहे। इसके साथ तहसील अमरोहा, तहसील नौगावा सादात, तहसील धनौरा, तहसील हसनपुर में वरिष्ठ नागरिक शिविर का आयोजन किया गया। तहसील अमरोहा में शिविर का संचालन तहसीलदार विजय दूबे, तहसील नौगाना सादात में लक्की सिंह तहसीलदार तहसील हसनपुर में शिविर का संचालन थी प्रेमानन्द ने किया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा स्वयं सेवक लोकमान सिंह, प्रति, महोश, वसीम अहमद, राजवाला देवी, शशि देवी, कुलदीप, जयदेव, शोभित आदि पराविधिक स्वयं सेवक उपस्थित रहे। सभी पराविधिक सेवकों एवं तहसीलदार ने वृद्धों को उनके अधिकार के बारे में बताया। परातिधिक स्वयं सेवकों ने बताया कि उन्हें आमजन की निःशुल्क सहायता करना है और लाभकारी सरकारी योजनाओं प्राप्त करने के तरीकों के बारें में जागरूक करना है यही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उददेश्य है सब को रागान अधिकार के तहत न्याय, सरकारी योजनाओं का लाभ आदि प्राप्त हो। कोई भी व्यक्ति किसी अक्षमता के कारण लाभ पाने से वचित न रहे।

बाल अधिकार दिवस पर सशक्त नारी, सशक्त समाज अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

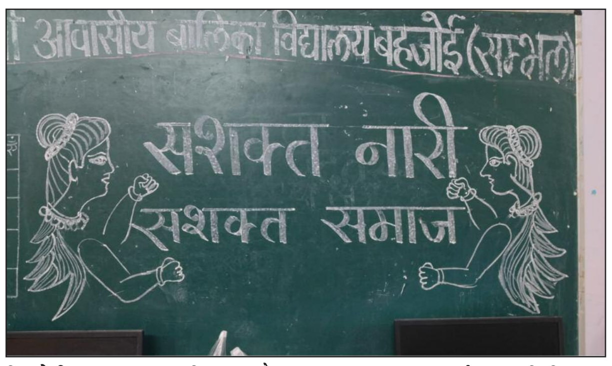

बहजोई/संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश कोएलिशन टू एम्पावर गर्ल्स (UPCEG) ने बाल अधिकार दिवस एवं बाल अधिकार सप्ताह के अवसर पर जिला संभल के बहजोई स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में ह्यसशक्त नारी, सशक्त समाज अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल अधिकारों, कन्या सशक्तिकरण और सरकारी योजनाओं के प्रति समुदाय को जागरूक करना रहा। UPCEG के सदस्य संगठन पी.डी. टंडन सेवा संस्थान, बहजोई ने इस कार्यक्रम का सफल नेतृत्व किया। विद्यालय परिसर में बच्चों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय के लोगों की उपस्थिति में विभिन्न कार्यशालाएं, संवाद सत्र और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से बाल एवं किशोरी कल्याण, सुरक्षित माहौल और लैंगिक समानता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रोबेशन अधिकारी संभल के प्रतिनिधि तेजपाल सिंह रहे। अन्य प्रमुख उपस्थित लोगों में विद्यालय वार्डन श्रीमती अनुराधा सिंह, पी.डी. टंडन सेवा संस्थान की सचिव अर्चना टंडन, प्रबंध निदेशक हेमंत टंडन, स्टाफ सदस्य प्रतिभा सक्सेना, निशा रानी, आंचल यादव, सीमा शर्मा (फुल टाइम शिक्षिका), विजय कुमार, जया (पार्ट टाइम शिक्षिका) आदि शामिल रहे। मिलान बी द चेंज के एसोसिएट डायरेक्टर (सिस्टम स्ट्रेंथनिंग) जावेद अब्बास ने कहा, वढउएॠ सरकारी विभागों और स्थानीय संगठनों के साथ मिलकर समुदाय स्तर पर लड़कियों के सशक्तिकरण और सरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने का काम कर रहा है। सशक्त नारी, सशक्त समाज अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तेजपाल सिंह को प्रबंध निदेशक हेमंत टंडन और वार्डन अनुराधा सिंह को सचिव अर्चना टंडन ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। शिक्षिका सीमा शर्मा ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर आधारित प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किया, जिसे सभी छात्राओं ने खूब सराहा और उससे उत्साह से भर उठीं। कार्यक्रम का संचालन आंचल यादव ने कुशलता से किया जबकि वार्डन अनुराधा सिंह ने सभी आगंतुकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन के माध्यम से सैकड़ों बालिकाओं एवं समुदाय के लोगों को बाल अधिकारों और कन्या सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया गया। वढउएॠ और पी.डी. टंडन सेवा संस्थान ने संकल्प लिया कि ऐसे कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

यातायात माह के तहत चलाया गया चेकिंग अभियान, बिना हेलमेट-सीट बेल्ट वालों के काटे चालान

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में यातायात माह नवंबर को सफल बनाने के लिए चंदौसी पुलिस और यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से जोरदार कार्रवाई की। सोमवार को सिपाही लाल पेट्रोल पंप तिराहा पर चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान में बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, प्रेशर हॉर्न, जातिसूचक शब्द लिखे वाहन, बिना रजिस्ट्रेशन के वाहन और अन्य यातायात उल्लंघनों पर सख्ती बरती गई। इस दौरान कई वाहन चालकों के चालान काटे गए। साथ ही पुलिस टीम ने वाहन चालकों और आमजन को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया। लोगों से हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने, तेज रफ्तार व लापरवाही से बचने की अपील की गई। एसपी कृष्ण कुमार के निर्देश पर पूरे जनपद में यातायात माह के तहत ऐसे अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके और आमजन सुरक्षित यात्रा कर सके। चंदौसी कोतवाली प्रभारी और यातायात पुलिस की टीम ने अभियान को संपन्न कराया। पुलिस का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

दो सड़क, दो लघु सेतू निर्माण कार्य के लिए धन स्वीकृति

पूरे विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है - पीएन पाठक

संवाददाता

कुशीनगर। कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए विधायक पीएन पाठक की मांग पर लोक निर्माण विभाग ने विधानसभा क्षेत्र के दो गांवों में दो पक्की सड़क और दो गांवों में दो सेतू निर्माण कार्य के लिए धन की स्वीकृति प्रदान किया है। विधायक पीएन पाठक ने कहा कि करहिया हजारी पट्टी के सम्पर्क मार्ग से बाड़ी को जोड़ने के लिए लघु सेतू निर्माण कार्य की स्वीकृति मिल गया है। बरवा जंगल से कुलकुला देवी स्थान मार्ग पर लघु सेतू नव निर्माण कार्य की स्वीकृति मिल गई है। सड़क मार्ग के लिए सिधावें कटकुइया दक्षिण टोला के सम्पर्क मार्ग के लिए स्वीकृति मिल गई है। अन्हारी बारी से बालखडी सम्पर्क मार्ग से चौहान पट्टी का

पक्की सड़क निर्माण कार्य के लिए धन स्वीकृति मिल गई है। उन्होंने कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र के हर गांव और मजरा पक्की सड़क से जोड़ा जाएगा कोई ऐसा गांव बाकी नहीं रहेगा कि पक्की सड़क न हो सड़क स्वास्थ्य शिक्षा रोजगार की गारंटी मेरी सरकार ले चुकी है जो पूरा किया जा रहा है

उच्च प्राथमिक विद्यालय में सरकारी हैंडपंप खराब, बच्चों सहित शिक्षकों को हो रही पेयजल की किल्लत

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- जनपद के विकास खंड गुन्नौर स्थित ग्राम अकबरपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय में पिछले कई दिनों से सरकारी हैंडपंप पूरी तरह खराब पड़ा है। इसके चलते स्कूल परिसर में एक बूंद भी शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। नतीजतन, स्कूल के सभी छात्र-छात्राएं और शिक्षक तथा राहगीर गंभीर जल-संकट का सामना कर रहे हैं। स्कूल के शिक्षक और ग्रामीणों ने बताया कि हैंडपंप पिछले कई दिनों से से खराब है। पानी न होने से बच्चे दिनभर प्यासे रहने को मजबूर हैं। कई बच्चे घर से पानी की बोतल लाना शुरू कर चुके हैं, लेकिन गरीब परिवारों के बच्चे ऐसा नहीं कर पाते। दोपहर के भोजन के समय भी शुद्ध पानी नहीं मिलने से बच्चों को परेशानी हो रही है। शिक्षक भी अपनी पानी की बोतलें लेकर आ रहे हैं, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही हैंडपंप ठीक नहीं किया गया तो बच्चे बीमार पड़ सकते हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बताया, ह्लपानी के बिना स्कूल चलाना बेहद मुश्किल हो रहा है। बच्चे प्यास से परेशान रहते हैं और पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। प्रशासन से अनुरोध है कि तत्काल हैंडपंप की मरम्मत कराई जाए। पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित इन मासूम बच्चों की प्यास मिटने का इंतजार अब भी जारी है।

बारात घर का हुआ भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य का शुभारंभ

अलीगढ। नगर निगम अलीगढ़ द्वारा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत गरीब दिव्यांगजन व समाज के निचले पायदान पर बैठे नागरिकों को विवाह, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों हेतु एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुलभ सुविधा प्रदान की दिशा में मथुरा बाईपास स्थित निकट इगलास पम्पिंग स्टेशन के पास नगर निगम भूमि पर 1891 वर्गमीटर में 10 करोड़ 11 लाख की लागत से बारात घर का जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विजय सिंह महापौर प्रशांत सिंघल व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ इसके निर्माण कार्य का भूमि पूजन के साथ शुभारंभ किया। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि बारात घर प्रोजेक्ट के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सीएनडीएस द्वारा संचालित लगभग 10.11 करोड़ रुपये की स्वीकृत/पुनरीक्षित लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना को 18 मार्च 2025 को स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिसके उपरांत 1 अगस्त 2025 से कार्य प्रारंभ किया जाना निर्धारित है परियोजना को 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित मैरिज हॉल भवन का कुल क्षेत्र 1891 वर्गमीटर होगा, जिसमें आधुनिक सुविधाओं का समुचित समावेश किया गया है। भूतल पर 150 व्यक्तियों की क्षमता वाला विशाल मैरिज हॉल, दो अटैच शौचालय के साथ विश्राम कक्ष, एक कार्यालय, पैंट्री सहित रसोईघर एवं प्रवेश लॉबी तथा डाइनिंग हॉल का निर्माण प्रस्तावित है, जिसका क्षेत्रफल 940 वर्गमीटर है। नगर आयुक्त ने बताया कि प्रथम तल पर नौ अटैच बाथरूम सहित कक्ष एवं दो डॉरमिटरी का निर्माण किया जाएगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 621 वर्गमीटर है। द्वितीय तल में एक हॉल, दो स्टोर रूम तथा एक घरेलू एवं फायर टैंक सहित कुल 150 वर्गमीटर क्षेत्र का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त एक 85 वर्गमीटर का गेस्ट रूम, 21 वर्गमीटर का गार्ड रूम, 59 वर्गमीटर का टॉयलेट तथा 15 वर्गमीटर का मीटर रूम भी परिसर में निर्मित किए जा रहे हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विजय सिंह ने कहा निश्चित रूप से महापौर व नगर आयुक्त के नेतृत्व में नगरीय विकास तेजी से हो रहा है। कार्यक्रम में पार्षद हाफिज अब्बासी, आसिफ अल्वी, मुख्य अभियंता वीके सिंह अधिशासी अभियंता बिजेन्द्र पाल सिंह, प्रभारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी रामानंद त्यागी स्टेनो देश दीपक, मीडिया सहायक अहसान रब रोहित तोमर आदि मौजूद है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को

अलीगढ़। 13 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की भव्य सफलता के लिए 21 नवंबर को अपरान्ह 01:30 बजे से श्रीमान प्रथम, अपर जिला जज एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत के विश्राम कक्ष में समन्वय बैठक का आयोजन किया जाएगा। अपर जिला जज एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिन श्रीवास्तव ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, माननीय उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पंकज कुमार अग्रवाल जी के निर्देशानुसार 13 दिसंबर शनिवार को जिला न्यायालय से लेकर तहसील स्तर तक राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने वादकारीगण से अपेक्षा की है कि वे अपने-अपने मामले का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में कराने के इच्छुक हों तो अपना प्रार्थना पत्र सम्बन्धित न्यायालय, कार्यालय को नियत तिथि से पूर्व प्रेषित करके राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठायें और । राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

श्रम विभाग ने विकास खंड हाटा के ग्राम सभा भैसही मे श्रमिकों को किया जागरूक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विभाग के कर्मचारी ग्राम सभा भैसही मे जीरो पावर्टी परिवारों व मजदूरों को विभाग में पंजीयन/नवीनीकरण कराकर योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जागरूक किया। मगलवार को विकास खंड हाटा के ग्राम सभा भैसही मे उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के कर्मचारी शशि शेखर मिश्र ने पहुंच कर मजदूरों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया तथा उपस्थित मजदूरों को अपने समीप के जनसेवा केन्द्र पर पहुंच कर जनसेवा केन्द्र के माध्यम से यू पी बी ओ सी डब्ल्यू के साइड पर श्रमिक पंजीयन कराने तथा पूर्व में पंजीकृत श्रमिकों को ससमय नवीनीकरण कराकर विभाग द्वारा श्रमिकों के हित में संचालित विभिन्न प्रकार के जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के जागरुक किया। इस दौरान अरुण, प्रिंस, रंगी, दुर्गा, रमावती, लालबाचन, सुरेश सहित दर्जनों श्रमिक मौजूद रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर आयोजित यूनिटी मार्च में हजारों लोग शामिल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष मे भारतीय जनता पार्टी द्वारा निकाली जा रही विधानसभावार पदयात्रा के क्रम में सोमवार को कुशीनगर विधानसभा की भव्य एकता यात्रा निकाली गई और अखंड राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल के अतुलनीय योगदान को याद करते हुए उनके सपने साकार करने का संकल्प लिया गया। मुंडेरा रतनपट्टी मठ से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ रमापति राम त्रिपाठी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कुशीनगर विधायक पीएन पाठक, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व जिलाध्यक्ष जगदम्बा सिंह, पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय, पूर्व विधायक पवन केडिया, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी और कुशीनगर नगर पालिका अध्यक्ष किरन जायसवाल, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल के नेतृत्व में निकाली गई एकता यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। रामनगर, सोनबरसा, भरटोली, विशुनपुरा, बुद्ध नगरी, कुशीनगर, एयरपोर्ट तिराहा, होटल ओम रेजीडेंसी होते हुए एकता यात्रा बेनेट क्लब परिसर में जनसभा में

परिवर्तित हो गई। मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि सरदार पटेल इतिहास के महानायक होने के साथ ही आज भी देश की राष्ट्रीय चेतना के केंद्र हैं। अगर सरदार पटेल न होते तो आज भारत का नक्शा कुछ और होता। अखंड भारत का जो स्वरूप हमें आज दिखाई देता है, इसके शिल्पी के रूप में पूरा भारत लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति सदैव कृतज्ञता ज्ञापित करता है। देश के अंदर सैकड़ों रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाने और फिर भारत के वर्तमान स्वरूप को उन्होंने उस समय जिस दूरदर्शिता और सूझ-बूझ के साथ लागू किया था, आज वह भारत हम सबको देखने को मिलता है। कहा कि पद यात्रा का उद्देश्य जन जन तक एकता का संदेश देना है। डॉ रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के के नेतृत्व में सरदार पटेल का एक भारत श्रेष्ठ भारत का सपना साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा 370 हटाकर पटेल के सपनों को साकार किया। कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर कार्य करती है। विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय ने कहा कि गुजरात में स्थापित सरदार पटेल की प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है जिसमें भारत के सभी नागरिकों का सहयोग समाहित है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही संभव हुआ है। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि कहा कि सरदार पटेल की दूरदृष्टि और मजबूत नेतृत्व ने भारत को एक सशक्त संघीय ढांचा प्रदान किया। उनकी जयंती पर निकाली गई यह पदयात्रा राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देने का प्रतीक है। यात्रा का नेतृत्व कर रहे कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। सरदार पटेल ने 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत की नींव रखी और देश की विविधता को एकता में बदला। आजादी के समय उन्होंने पाकिस्तान समेत कई घटनाओं को ध्यान में रखते हुए देश को सुरक्षित रखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूती में सरदार पटेल की योगदान को भी अहम माना जाता है। इस अवसर पर सन्तोष दत्त राय, ओम प्रकाश जायसवाल, डॉ सीमा गुप्ता, चन्द्र प्रभा पाण्डेय, अमित पाण्डेय, कृष्ण कुमार जायसवाल, शुभम दीक्षित, आद्या पाण्डेय, विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रकाश सिंह, अमरजीत कुशवाहा, किन्नरेश चौबे, राजेश राव, बच्चा सिंह, अनिल प्रताप राव, डॉ छेदी शर्मा, डॉ टीएन राव, पुण्य प्रकाश तिवारी, कस्तूरचंद जायसवाल, रुपम सिंह, सीता गुप्ता, उमेश उपाध्याय, शैलेन्द्र सिंह, गिरिजेश सिंह, प्रभुनाथ सिंह, गोपालजी राय, सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

नेशनल फामेर्सी वीक के दूसरे दिन प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- बीएमबीएल जैन कॉलेज ऑफ फामेर्सी में नेशनल फामेर्सी वीक के दूसरे दिन विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार जैन, निदेशक सम्भव जैन, भाजपा मुरादाबाद महानगर के महामंत्री दिनेश शीर्षवाल तथा वास्तुविद सक्षम रस्तोगी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया।कार्यक्रम में आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे पोस्टर प्रतियोगिता में राजकुमार प्रथम, अमित कुमार द्वितीय तथा बॉबी तृतीय स्थान पर रहे। विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में विनय कुमार एवं ललतेश ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। फर्स्ट एड बॉक्स प्रतियोगिता में अमित यादव प्रथम, शोयव द्वितीय तथा नौरंगी तृतीय रहे। मेडिसिनल प्लांट प्रतियोगिता में पंकज पटेल प्रथम, सत्येंद्र मौर्य द्वितीय तथा अजय कुमार तृतीय

स्थान के अधिकारी बने। विजयी प्रतिभागियों को कॉलेज अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार जैन द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा नेशनल फामेर्सी वीक विद्यार्थियों में शोध-रुचि, वैज्ञानिक सोच और सामाजिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ाने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। आज के कार्यक्रमों में हमारे छात्रों ने जिस गंभीरता, रचनात्मकता और समर्पण का परिचय दिया है, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। हमें विश्वास है कि यही युवा भविष्य में फामेर्सी एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छुएंगे। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष नागेश कुमार, डॉ. मनोज कुमार, अखिलेश कुमार, नंदन, सौरभ सक्सेना, नेत्रपाल सिंह, अक्षय सिंह, अंकित सहित अनेक फैकल्टी सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज कुमार द्वारा किया गया। अंत में कॉलेज के निदेशक सम्भव जैन ने प्रतियोगिताओं में सहभागी सभी छात्रों, निर्णायक मंडल, फैकल्टी सदस्यों एवं अतिथियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन

बहजोई(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की डीटीएफ एवं विभिन्न योजनाओं तथा शिक्षा विमर्श, निपुण शिक्षा तथा पीएम श्री विद्यालयों के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत निपुण शिक्षा पर चर्चा की गयी तथा समस्त एआरपी से मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा मध्यम विधार्थियों के लिए क्या प्लान है उसके विषय में जानकारी प्राप्त की गयी तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर प्लान तैयार किया जाए। निपुण को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि निपुण शिक्षा पर कार्य किया जाए जो विकास खण्ड निपुण शिक्षा में पीछे रहेगा उससे संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। ऑपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत 19 अवस्थापना सुविधाओं के संतृप्तीकरण के विषय में विकासखंड वार जानकारी प्राप्त की गयी जिसमें रसोई घर के कार्य तथा दिव्यांगजन शौचालय, विद्यालयों की चहारदीवारी बाल मैत्रिक शौचालय, बालक बालिका मूत्रालय, डैम प्रूफ पेंट, जर्जर भवन, परिषदीय विद्यालयों के ऊपर से जा रही विद्युत की हाइटेंशन लाईन, वैदरशीट मैक्स पेंट, खपरैल, मिड डे मील, पीएम पोषण विद्यालय निरीक्षण, मध्या भोजन एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति, किचन गार्डन, पीएम श्री विद्यालयों में मेडिकल कैंप, समर्थ एप पर दिव्यांग बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र अपलोड किए जाने की स्थिति, संचालित रिसोर्स रूम, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में खाने की गुणवत्ता को लेकर भी मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जानकारी प्राप्त की गई एवं संबंधित का आवश्यक दिशा निर्देश। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय छात्रावास के निर्माण को लेकर भी चर्चा की गयी। पीएम श्री विद्यालयों

में निर्माण रजिस्टर बनाने को लेकर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया तथा पीएम श्री विद्यालयों में आरओ सिस्टम लगवाये जाने को लेकर जिलाधिकारी द्वारा परियोजना निदेशक डीआरडीए से जानकारी प्राप्त की गयी एवं परियोजना निदेशक को निर्देशित करते हुए कहा कि एक सप्ताह में सभी आरओ सिस्टम संचालित हैं या नहीं उसको चेक करें तथा आगामी 29 नवंबर को होने वाली संबंधित बैठक में इसकी आख्या रिपोर्ट प्रस्तुत करें। पीएम श्री विद्यालयों में हर्बल गार्डन को लेकर भी जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालयों में अच्छी प्रकार के औषधीय पौधे लगाना सुनिश्चित किया जाए। विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक दिव्यांग पुस्तकालय, सीएम कंपोजिट स्कूल आदि पर भी चर्चा की गयी संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की प्रमुख योजना को लेकर भी समीक्षा की गयी। बैठक के अन्तर्गत प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गयी । जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत एक करोड़ से अधिक धनराशि की परियोजनाओं को शामिल किया जाएगा। जनपद में इसके अंतर्गत दिव्यांगजन पुस्तकालय, ऑडिटोरियम, किसान केन्द्र, सीएलएफ बिल्डिंग, मुख्यमंत्री अभ्युदय भवन आदि के संबंध में चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह,जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं समस्त एआरपी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुड़गांव की प्रॉपर्टी हड़पने की अमेरिका में साजिश, फ्रांस और स्विटजरलैंड में बने फर्जी दस्तावेज

गुड़गांव : विदेश में रह रहे दंपति की गुड़गांव में करोड़ों रुपए की संपत्ति हड़पने के लिए एक व्यक्ति ने अमेरिका में बैठकर पूरी साजिश रच डाली। जब एक प्रॉपर्टी डीलर ने उसके पास बिक्री के लिए आई प्रॉपर्टी की डिटेल को वैरिफाई करने के लिए प्रॉपर्टी के असली मालिक से संपर्क किया तो पूरी साजिश का खुलासा हुआ। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच करते हुए एक आरोपी को उस वक्त एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया जब वह लंदन से दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचा था। आरोपी के इस संपत्ति को हड़पने के लिए फ्रांस और स्विटजरलैंड में दस्तावेज तैयार किए और गुड़गांव प्रशासन को भेज दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया है। आरोपी से पूछताछ जारी है। पुलिस के मुताबिक, 3 जनवरी 2023 को एक व्यक्ति ने विदेश से गुड़गांव पुलिस को एक शिकायत दी। यह शिकायत सदर थाना पुलिस के माध्यम से आर्थिक अपराध शाखा को मिली। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसके दो मकान सेक्टर-31 में हैं जिसके यह तथा उसकी पत्नी मालिक है। 4 सितंबर 2021 को उनके पास एक प्रॉपर्टी डीलर का फोन आया जिसने बताया कि उनके बेटे करण भटनागर को इन दोनों मकानों के बदले 15 लाख रुपए एडवांस दिए है और मकान की बकाया पेमेंट में से एक करोड़ रुपए वह आरटीजीएस के माध्यम से उनके बैंक खाते में ट्रांसफर कर रहे हैं। इस पर उन्होंने फोन करने वाले प्रॉपर्टी डीलर को बताया कि उनका कोई बेटा

नहीं है और न ही उन्होंने यह प्रॉपर्टी बेची है। ऐसे में वह रुपए ट्रांसफर न करें। इस पर प्रॉपर्टी डीलर ने उन्हें एक जीपीए, पॉजिशन लेटर व पासपोर्ट की फोटो भेजी जो कि फर्जी थी। उन्होंने प्रॉपर्टी डीलर को बताया कि यह दस्तावेज न तो उनके हैं और न ही उन्होंने जारी किए हैं। वह तो यूएसए में रहते हैं। इस पर उन्होंने इसकी शिकायत हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को दी तो उन्हें पता लगा कि उनके कथित बेटे ने यह प्रॉपर्टी पंजाब के रहने वाले लखविंद्र सिंह को ट्रांसफर कर दी है जहां से उन्हें लखविंद्र सिंह और फर्जी करण भटनागर की फोटो मिल गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद उनके पास कई प्रॉपर्टी डीलर के फोन आए जो कि नाम बदल-बदल कर उनकी प्रॉपर्टी को बेचने का प्रयास कर रहे हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। जब पुलिस ने लखविंदर सिंह के घर पर रेड की तो पता लगा कि वह साल 2022 में लंदन यूके जा चुका है। इस पर पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों से संपर्क किया और उसे भारत बुलवाया। 17 नवंबर को आरोपी जैसे ही लंदर से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा वैसे ही उसे पुलिस ने काबू कर लिया। आरोपी की पहचान नवा शहर पंजाब निवासी लखविंदर सिंह (31) के रूप में हुई। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने पीड़ित दंपति का बेटा करण भटनागर बनकर फ्रांस से उनके नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाया। उन पासपोर्ट के आधार पर एक जर्नल पावर ऑफ अटॉर्नी Konton Obwaldenस्विट्जरलैंड से रजिस्टर्ड करवाई तथा जीपीए को एंबेसी के माध्यम से भारत मंगवाकर कलेक्टर कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्टर्ड करवा ली। इसके बाद धोखाधड़ी से इसको लरश्ठ में प्रॉपर्टी की फाइल में संलग्न करवा दिया और फर्जी जीपीए के आधार पर करण भटनागर ने यह प्रॉपर्टी मार्च-2021 में लरश्ठ कार्यालय में आकर लखविंदर सिंह के नाम ट्रांसफर परमिशन रजिस्टर्ड करवा दी। आरोपी लखविंदर सिंह ने बताया कि वह प्रॉपर्टी इसे करण भटनागर ने ट्रांसफर की थी और इस प्रॉपर्टी को ट्रांसफर परमिशन के आधार पर वर्ष-2021 व वर्ष-2022 से बार-बार बेचने की कोशिश कर रहा था, फिर यह अक्टूबर-2022 में यह इसकी पत्नी (स्टूडेंट वीजा) के साथ डिपेंडेंट वीजा पर यूनाइटेड किंगडम चला गया

हरियाणा सीएम नायब सैनी ने कलेसर नेशनल पार्क का दौरा, जंगल सफारी का उठाया लुत्फ

यमुनानगर : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने आज यमुनानगर जिले में स्थित कलेसर नेशनल पार्क का दौरा किया और जंगल सफारी का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर उन्होंने पार्क में जंगल सफारी के नए प्रवेश द्वार का भी विधिवत उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी के इस दौरे का उद्देश्य न केवल पार्क की प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव करना था, बल्कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करना भी था। जंगल सफारी के अनुभव के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि कलेसर नेशनल पार्क की प्राकृतिक छटा अद्वितीय है और यह पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र बन सकता है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि जंगल सफारी को और अधिक आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि कलेसर नेशनल पार्क को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले।

उन्होंने आगे कहा कि सफारी रूट को बेहतर किया जाएगा और पर्यटकों की सुरक्षा व सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पार्क में वन्यजीवों के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने पर विशेष ध्यान दें। गुरु तेग बहादुर जी के कार्यक्रमों में सीएम ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर विभिन्न कार्यक्रम हरियाणा में चल रहे हैं जिसमें रक्तदान शिविर पोस्टर मेकिंग संगोष्ठी का आयोजन कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिससे लोगों में गुरु श्री तेग बहादुर जी के बलिदानों का उल्लेख और वर्णन हो सके। उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का एक प्रयास हैं। मुख्यमंत्री के इस दौरे से कलेसर नेशनल पार्क में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कलेसर जंगल में पौधारोपण भी किया ता वहीं जंगल सफारी का लुफ्त भी उठाया। इस दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर, यमुनानगर विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा समेत भाजपा के तमाम नेता वह पदाधिकारी मौजूद रहे।

ऑपरेशन ट्रैकडाउनः रोहतक में पुलिस को मिली कामयाबी, 4 आरोपी गिरफ्तार, अवैध हथियार भी बरामद

रोहतक : रोहतक एसएसपी सुरेंद्र भौरिया ने बदमाशों को भिखारी तक बता दिया है उन्होंने कहा कि बदमाशों की वजह से उन्हीं के परिवारों का अंत हो रहा है, यहां तक की खाने तक के भी लाले पड़ रहे हैं। दरअसल, रोहतक पुलिस ने कल 4 बदमाशों को आईएमटी इलाके से गिरफ्तार किया था, जिनमें से एक के पास भारी मात्रा में अवैध हथियार मिले और आरोपी पर 7 मुकदमे दर्ज है। रोहतक पुलिस ने ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत अब तक 13 दिनों में 30 बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जबकि 40 की हिस्ट्री सीट निकाली है। पुलिस लगातार ऐसे बदमाशों की पहचान कर रही है जो किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं पकड़े गए बदमाशों का संबंध बड़ी गैंग से था और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। गिरफ्तार किए बदमाशों की पहचान गिरफ्तार किए बदमाशों में से रोहन

पुत्र रामवीर गांव नोंनद के पास से 5 पिस्तौल बरामद हुए थे। रोहन पर हत्या का प्रयास लूट-डकैती समेत 7 मुकदमे दर्ज है। पुलिस ने अमन उर्फ माझा, शुभम उर्फ निक्कू और आतिश उर्फ राजू को भी गिरफ्तार किया है। इन पर भी कई मुकदमे दर्ज है। पुलिस लगातार हरियाणा में चल रहे ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत बदमाशों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर रही है। इसको लेकर रोहतक के एसपी सुरेंद्र भौरिया ने बताया कि पकड़े गए चारों बदमाश किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में चल रहे थे।

सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

उन्होंने कहा कि जेल में बैठे बदमाशों और विदेशों में बैठे बदमाशों को भी कैसे भारत लाया जाए। इसको लेकर रणनीति बनाई गई है।

कब्जा दिलाने पहुंची टीम के सामने हेल्थ इंस्पेक्टर ने किया कुछ ऐसा, प्रशासन को लौटना पड़ा बैरंग

सोनीपत : खरखौदा क्षेत्र के मटिंडू गांव में अदालत के आदेश पर पहुंची प्रशासनिक टीम उस समय दहशत में आ गई जब कब्जा दिलाने की प्रक्रिया के दौरान एक मकान मालिक ने आत्मदाह की धमकी देकर हालात बिगाड़ दिए। भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे अधिकारियों के सामने हेल्थ इंस्पेक्टर यशवीर ने खुद पर डीजल उंडेल लिया और छत पर चढ़कर आग लगाने की कोशिश की। मौके पर मौजूद टीम ने तुरंत हस्तक्षेप किया और किसी तरह यशवीर को नीचे उतारा। उसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। गनीमत रही कि उसने माचिस जलाई जरूर, लेकिन तीली नहीं सुलग पाई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना

के बाद पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी बिना कार्रवाई किए लौटने पर मजबूर हो गए।

जमीन विवाद का है मामला

जानकारी के अनुसार, गांव में करीब 30 साल पहले हुई गलत पैमाइश को लेकर जमीन विवाद चला आ रहा है। मामले में अदालत से सुधार और कब्जा दिलाने के आदेश 2 वर्ष पूर्व ही जारी हो चुके हैं। पिछले वर्ष कुछ हिस्सों पर कब्जा दिलाया भी गया था, मगर शेष भूमि को लेकर बार-बार विरोध की स्थिति बनती रही।कई बड़े अधिकारी पहुंचे थे मौके पर

हाल ही में अदालत ने निर्देश दिए थे कि यदि कोई अधिकारी अवकाश पर हो, तो उसका वरिष्ठ अधिकारी ड्यूटी मजिस्ट्रेट बनकर कार्रवाई पूरी करेगा। इसी के तहत सोमवार को नायब तहसीलदार अचिन कुमार, एसीपी राजदीप और थाना प्रभारी पवन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थे।

रोकनी पड़ी कार्रवाई

टीम ने पैमाइश के बाद एक मकान की दीवार हटाई और अगली कार्रवाई के लिए बढ़ रही थी कि तभी यशवीर ने आत्मदाह का प्रयास कर दिया, जिससे पूरी प्रक्रिया रोकनी पड़ी।

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हो चुका है गांव धौज का नाम, लेकिन अब इस वजह से हो रहा बदनाम

फरीदाबाद : अल-फलाह यूनिवर्सिटी में एक टेरर मॉड्यूल मामले के सामने आने के बाद धौज गांव चर्चा में है, लेकिन इसी के साथ गांव की छवि को नुकसान पहुंचने की बात भी जोर पकड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि 2001 में धौज गांव का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉड्र्स में दर्ज हो चुका है।

रिटायर्ड एडिशनल सेशन जज अब्दुल माजिद ने भी पुलिस और खुफिया विभाग पर सवाल खड़े किए। उनका कहना है कि जब थाना महज एक किलोमीटर दूरी पर है, तो फिर पुलिस को इस टेरर मॉड्यूल की कोई जानकारी क्यों नहीं मिली? ग्रामीणों ने बताया कि धौज गांव में सभी बिरादरी के लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते हैं और गांव में इससे पहले कभी भी इस तरह की कोई घटना नहीं हुई। लोगों का कहना है कि कुछ व्यक्तियों की गतिविधियों के आधार पर पूरे गांव को बदनाम करना ठीक नहीं है। जांच में सामने आया नाम हाजी मद्रासी का भी ग्रामीणों ने बचाव किया। जानकारी के अनुसार, हाजी मद्रासी ने मुजम्मिल को किराए पर कमरा दिया था, लेकिन उन्हें उसके बारे में केवल इतना पता था कि वह एक बड़ा डॉक्टर है। ग्रामीणों का कहना है कि किसी व्यक्ति के पेशे या उससे मिलने-जुलने वाले लोग उसके किसी अवैध गतिविधि से जुड़े हों, यह मान लेना गलत है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरी जांच निष्पक्ष तरीके से की जाए और गांव की छवि को बिना वजह धूमिल न किया जाए।

हरियाणा को दिल्ली में मिला राष्ट्रीय जल पु रस्कार, राष्ट्रपति द्रौपदी मु र्मू ने श्रु ति चौधरी को किया सम्मानित

हरियाणा : नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 6वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में हरियाणा को तीसरा स्थान मिला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने समारोह में सिंचाई एवं महिला बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी को सम्मानित किया और उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस मौके पर मंत्री के साथ विभाग के Additional Chief Secretary एवं EIC मौजूद रहे। श्रुति चौधरी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रीय जल पुरस्कार में हरियाणा को तीसरा स्थान प्राप्त होना सम्मान की बात है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिया गया ये सम्मान हरियाणा की जनता की जागरूकता और हमारे किसानों की मेहनत को समर्पित है। हरियाणा सरकार की योजनाओं ने इसे सम्भव किया है और स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल व सुरेंद्र सिंह के सपनों को साकार किया है। हम मिलकर जल

संरक्षण की दिशा में एक नई मिसाल कायम कर रहे हैं। बधाई हरियाणा! ये आपका पुरस्कार है।इससे पहले श्रुति चौधरी ने एक और एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मेरे राज्य हरियाणा के लिए यह अत्यंत गर्व और उपलब्धि की बात है कि उसे आज भारत सरकार, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल द्वारा घोषित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में तृतीय पुरस्कार मिला है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय ऊर्जा एवं आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के लिए धन्यवाद देती हूं, जिनके नेतृत्व में जल संसाधन मंत्रालय का गठन हुआ और जिन्होंने हरियाणा में जल संरक्षण के लिए अथक प्रयास किया है। मैं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भी उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद देता हूँ और हरियाणा सरकार के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करता हूँ। जय हरियाणा!

हरियाणा के इन 2 जिलों में खु लेंगी ऑर्गेनिक फसलों की मंडियां, किसान और लोगों को होगा फायदा

करनाल : हरियाणा में प्राकृतिक और ऑर्गेनिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार बड़े स्तर पर कदम उठाने जा रही है। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि किसानों को अपनी जैविक फसलों की बिक्री में कोई दिक्कत न आए, इसके लिए गुरुग्राम और हिसार में विशेष ऑर्गेनिक मंडियां स्थापित की जाएंगी। इन मंडियों में किसान सीधे अपनी शुद्ध और प्राकृतिक उत्पादित फसलें बेच सकेंगे, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। सोमवार को करनाल के महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के दौरे के दौरान राणा ने कहा कि वर्तमान खेती में रासायनिक खादों और दवाइयों के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि

किसान धीरे-धीरे गेहूं-धान आधारित खेती से आगे बढ़कर मोटे अनाज और प्राकृतिक तरीकों की ओर रुख करें।

मंत्री ने बताया कि प्राकृतिक खेती को अपनाने वालों को सरकार की ओर से भारी अनुदान दिया जा रहा है, ताकि किसान इसमें अधिक रुचि लें और स्वस्थ व पोषक फसलों का उत्पादन बढ़े। राणा ने कहा कि ऑर्गेनिक फसलों के लिए अलग मंडियां बनाना सरकार की प्राथमिक योजना का हिस्सा है और इससे किसानों को बेहतर बाजार और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण अनाज उपलब्ध होगा।

350वें शहीदी दिवस कार्यक्रम में पहुंचे सीएम सैनी, बोले- श्री गुरु तेग बहादुर का जीवन मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत

यमुनानगर : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज यमुनानगर पहुंचे, जहां उन्होंने सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में शिरकत की। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले साढ़ौरा स्थित ऐतिहासिक गुरुघर में पूरे सम्मान के साथ शीश नवाया और माथा टेका। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर श्री गुरु तेग बहादुर जी के सर्वोच्च बलिदानों और शहादत को नमन करते हुए उन्हें याद किया। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर का जीवन और उनकी शहादत पूरी मानवता के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने पूरी दुनिया को सच्चाई और धर्म के मार्ग पर चलने का रास्ता दिखाया। मुख्यमंत्री ने इस बात को राज्य का सौभाग्य बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर की शहादत की याद में निकाली जा रही 'हिन्द की चादर यात्रा' का आयोजन हरियाणा में हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा

प्रदेश के हर कोने में निकाली जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य गुरु श्री तेग बहादुर जी के ऐतिहासिक बलिदानों को जन-जन तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने आगे जानकारी दी कि इस पवित्र यात्रा का समापन 24 नवंबर को हरियाणा के कुरुक्षेत्र में होगा।

प्रदेशभर से निकली सभी यात्राएं कुरुक्षेत्र में एकत्रित होंगी। इसके उपरांत, 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय महा समागम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिरकत करेंगे और गुरु साहिब को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुज्जर समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इसके अलावा, हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में सिख संगत ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और गुरु साहिब के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। मुख्यमंत्री सैनी ने सभी को गुरु तेग बहादुर जी के बलिदानों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

खबर एक्सप्रेस

हरियाणा की सभी ITI में खोले जाएंगे एक्सीलेंस सेंटर, इन 3 जिलों को नहीं किया शामिल

हरियाणा : प्रदेश सरकार ने कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 19 जिलों के सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITI) में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है। ये केंद्र कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के

तहत खोले जाएंगे। गुरुग्राम, सोनीपत और कुरुक्षेत्र को इस चरण में शामिल नहीं किया गया है। इच्छुक उद्योग और कंपनियों को 28 नवंबर तक आवेदन जमा कराने होंगे, जबकि उत्कृष्टता केंद्रों की शुरुआत 1 दिसंबर से की जाएगी। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय ने उद्योगों से अपील की है कि वे CSR फंड के माध्यम से किसी भी सरकारी ITI को अपनाकर आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास में सहयोग दें। मुख्यमंत्री द्वारा बजट भाषण 2025-26 में की गई इस घोषणा को अब अमलीजामा पहनाया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 197 सरकारी ITI (161 सामान्य और 36 महिला) के माध्यम से एक, 2 और 3 वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उत्कृष्टता केंद्रों में युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप शॉर्ट-टर्म कोर्स उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे वे बेहतर रोजगार अवसरों के लिए तैयार हो सकें।

सरकारी स्कूलों के डीडीओ और बैंक खातों का विवरण अपलोड करने के निर्देश

चंडीगढ़ : हरियाणा के माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को राज्य के सरकारी स्कूलों से जुड़े डीडीओ (आहरण एवं वितरण अधिकारी) तथा उनके सरकारी बैंक खातों की

अद्यतन जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, सभी जिलों से कहा गया है कि संबंधित स्कूलों की यह पूरी जानकारी बिना देरी के टक्र (मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम) पोर्टल पर अपलोड करवाई जाए, ताकि विभागीय रिकॉर्ड को अपडेट किया जा सके।शिक्षा निदेशालय की को-ऑर्डिनेशन शाखा की ओर से जारी पत्र में बताया गया है कि यह डेटा आगामी 19 नवंबर 2025 को वित्त विभाग के सचिव की अध्यक्षता में होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में प्रस्तुत किया जाना है। मुख्यालय की शाखाओं के अधीक्षकों को भी अपनी-अपनी शाखाओं से संबंधित आवश्यक विवरण तुरंत उपलब्ध कराने को कहा गया है। विभाग का कहना है कि सभी स्कूलों और शाखाओं की जानकारी समय पर अपलोड न होने पर प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर ट्रांसफर ड्राइव का शेड्यूल जारी, इस तारीख से करना होगा आवेदन

हरियाणा : हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग ने असिस्टेंट प्रोफेसर ट्रांसफर ड्राइव 2025–26 का विस्तृत शेड्यूल जारी कर दिया है। विभाग के एसीएस द्वारा जारी पत्र के अनुसार ट्रांसफर आदेश 5 फरवरी 2026 को जारी किए जाएंगे। महत्वपूर्ण तिथियां 18 नवंबर –2 दिसंबरः असिस्टेंट प्रोफेसर ऑनलाइन आवेदन भर सकेंगे 3 दिसंबरः सभी उम्मीदवारों का डिटेल स्कोर जारी 4/10 दिसंबरः डेटा में सुधार और आपत्तियां दर्ज करवाने की अंतिम तिथि 19–25 जनवरीः इच्छित स्थानों की पहली चॉइस फिलिंग 31 जनवरी 2 फरवरीः बची हुई खाली पोस्ट के लिए दूसरी चॉइस फिलिंग ट्रांसफर में 80 अंकों का मूल्यांकन पैमाना ट्रांसफर नीति के तहत कुल 80 अंकों के आधार पर मूल्यांकन होगा। इसमें शामिल हैं– आयु महिला अभ्यर्थियों के लिए अतिरिक्त अंक ,दिव्यांगता,वैवाहिक स्थिति,स्वास्थ्य और सेवा अवधि,ट्रांसफर पॉलिसी के प्रमुख प्वाइंट विधवा, तलाकशुदा, कानूनी रूप से अलग रह रहीं महिला शिक्षिकाओं, दिव्यांग शिक्षकों, और 22 गंभीर बीमारियों से पीड़ित शिक्षकों को प्राथमिकता मिलेगी। गंभीर बीमारी, पारिवारिक कारणों या विशेष परिस्थितियों में ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव के अतिरिक्त भी आवेदन किया जा सकेगा। ट्रांसफर आदेश जारी होने के बाद 10 दिनों के भीतर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री को नीति में संशोधन और बदलाव का विशेषाधिकार रहेगा। ट्रांसफर प्रक्रिया पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से होगी। हर चरण में ओटीपी-आधारित प्रमाणीकरण आवश्यक होगा। पात्रता यह नीति उन असिस्टेंट और एसोसिएट प्रोफेसरों पर लागू होगी जिनके विषय में 80 या उससे अधिक स्वीकृत पद हैं। सेवा अवधि सामान्य ट्रांसफर ड्राइव हर साल आयोजित की जाएगी। हर पद पर न्यूनतम 12 महीने और अधिकतम 60 महीने (5 वर्ष) की सेवा अवधि निर्धारित।

कांग्रेस में फिर दिखी गुटबाजी, मंच पर ही भिड़े 2 जिला अध्यक्ष, एक-दूसरे से माइक छीना

हिसार : हिसार में वोट चोरी के आरोपों को लेकर प्रस्तावित कांग्रेस प्रदर्शन से पहले ही पार्टी के अंदर तनाव की स्थिति पैदा हो गई। मंगलवार को कांग्रेस भवन में प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और सांसद दीपेंद्र हुड्डा की मौजूदगी में शहरी और ग्रामीण जिलाध्यक्षों के बीच

तीखी नोकझोंक देखने को मिली। जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम का मंच संचालन शहरी जिलाध्यक्ष बजरंग दास गर्ग करना चाहते थे, लेकिन ग्रामीण जिलाध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने इसका विरोध करते हुए दावा किया कि उन्हें उच्च नेतृत्व से अनुमति मिली है। इसी बात पर दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हो गई और मंच पर ही दोनों ने एक-दूसरे से माइक खींच लिया। स्थिति बिगड़ती देख पूर्व विधानसभा उम्मीदवार राहुल मक्कड़ ने बीच में आकर मामला शांत कराया, जिसके बाद बजरंग गर्ग कार्यक्रम स्थल से चले गए। यह पहली बार नहीं है जब दोनों जिलाध्यक्षों के बीच विवाद सामने आया हो। इससे पहले भी गुटबाजी के कारण उनके बीच मतभेद खुलकर सामने आ चुके हैं। बताया जाता है कि बृजलाल बहबलपुरिया रणदीप सुरजेवाला के समर्थक माने जाते हैं, जबकि बजरंग गर्ग हुड्डा खेमे से जुड़े हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि कार्यक्रम के पोस्टर पर सांसद सैलजा की तस्वीर न होने को लेकर भी नाराजगी जताई गई, जिससे पार्टी की अंदरूनी खींचतान एक बार फिर उजागर हो गई।

शादी में हंगामा! अश्लील हरकत और छेड़खानी का किया विरोध, स्टेज पर नाच रही डांसर 'बिल्ली' को जड़े ताबड़तोड़ थप्पड़

मेवातः हरियाणा के नूंह-मेवात के तावडू उपमंडल के गांव पचगांव में रविवार देर रात एक शादी से पहले आयोजित डांस कार्यक्रम के दौरान हंगामा हो गयाः स्टेज पर डांस कर रही एक महिला डांसर बिल्ली के साथ अश्लील हरकत और छेड़खानी की कोशिश करने

पर महिला ने विरोध जताया तो नशे में धुत युवक भड़क गया और उसने महिला के मुंह पर लगातार थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए। वीडियो में साफ दिख रहा है कि पहले युवक स्टेज पर चढ़ता है और महिला डांसर के साथ अभद्रता करता है। महिला ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए युवक को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद युवक आग-बबूला हो गया और उसने महिला पर ताबड़तोड़ थप्पड़ जड़ने शुरू कर दिए। आखिरकार कुछ युवकों ने किसी तरह महिला डांसर को बचाकर वहां से निकाला.घटना का पूरा वीडियो किसी ने बना लिया जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो देखकर लोग दो धड़ों में बंट गए हैं। फिलहाल इस मामले में न तो महिला डांसर की ओर से पुलिस में कोई शिकायत दर्ज की गई है और न ही पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर कोई कार्रवाई की है। गांव में फिलहाल स्थिति शांत बताई जा रही है, लेकिन सोशल मीडिया पर यह वीडियो लगातार वायरल हो रहा है ।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान : विवादित पीटीआई नेता मूनिस के खिलाफ मामला बंद

इस्लामाबाद, एजेंसी। इंटरपोल ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी व विवादित पीटीआई नेता मूनिस इलाही के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट के पाकिस्तान के अनुरोध से संबंधित मामला बंद कर दिया है। पाकिस्तान सरकार ने पूर्व संघीय मंत्री को पकड़ने के लिए इंटरपोल से सहायता मांगी थी। लगभग तीन साल पहले इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई के बाद मुनिस स्पेन चले गए थे।

चिली में कम्युनिस्ट बनाम धुर दक्षिणपंथ के बीच मुकाबला

सैंटियागो, एजेंसी। चिलीवासियों ने रविवार को नए राष्ट्रपति व संसद के लिए मतदान किया। इसमें कम्युनिस्ट बनाम धुर दक्षिणपंथ के बीच मुकाबला है। यह दक्षिण अमेरिकी देश में राष्ट्रपति चुनाव के संभावित दो चरणों में से पहला चरण है। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि कोई भी उम्मीदवार 14 दिसंबर को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से बचने के लिए आवश्यक 50 प्रतिशत मतों की सीमा को पार नहीं कर पाया है।

पाकिस्तान में एक लाख से ज्यादा अफगान गिरफ्तार : संयुक्त राष्ट्र

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने इस साल अब तक एक लाख से अधिक अफगानियों को गिरफ्तार किया है। डॉन ने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि बलूचिस्तान में चगाई व क्वेटा और पंजाब में अटक देश भर में शीर्ष तीन जिले हैं, जहां इस साल सबसे अधिक अफगान नागरिक कार्ड एसीसी धारक अफगान नागरिकों को दस महीने से अधिक समय तक गिरफ्तार रखा गया।

फिलीपीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन

मनीला , एजेंसी। फिलीपीन की राजधानी मनीला में रविवार को करीब 27 हजार से अधिक लोगों ने प्रदर्शन किया। सभी प्रदर्शनकारी रिजाल पार्क में इकट्ठा हुए थे। उनके हाथों में सफेद कपड़ों पर भ्रष्टाचार खत्म करो जैसे संदेश वाले पोस्टर थे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। लोगों ने पुलिस पर पत्थर, बोतलें व फायर बम फेंके। 200 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इग्लेसिया नी क्रिस्टो नामक धार्मिक संस्था की ओर से आयोजित तीन दिवसीय प्रदर्शन में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में हुए करोड़ों डॉलर के भ्रष्टाचार को लेकर जवाबदेही की मांग की गई। प्रदर्शनकारी ने दोषियों को जेल भेजने और अपने पैसे लौटाने की मांग की। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने जुलाई में इस घोटाले का खुलासा किया और एक जांच आयोग गठित किया। मार्कोस जूनियर ने कहा कि इस घोटाले की जांच में कोई नहीं बचेगा। घोटाले के खुलासे के बाद मार्कोस के चचेरे भाई सीनेट अध्यक्ष फ्रांसिस एस्कुडेरो व हाउस स्पीकर मार्टिन रोमुअल्डेज इस्तीफा दे चुके हैं।

सीरिया के स्वेदा में सांप्रदायिक हिंसा पर सुरक्षा बलों और सैन्य अधिकारियों की गिरफ्तारी

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के दक्षिणी प्रांत स्वीदा में जुलाई में हुई सांप्रदायिक हिंसा की जांच के सिलसिले में सीरिया के सुरक्षा और सैन्य सेवाओं के सदस्यों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे, जांचकर्ताओं ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वीदा में हिंसा की जांच कर रही एक सीरियाई समिति के प्रमुख ने राजधानी दमिश्क में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें प्रगति पर चर्चा की गई, लेकिन उन्होंने मृतकों की संख्या जारी नहीं की, यह कहते हुए कि यह अंतिम रिपोर्ट में बताई जाएगी, जो वर्ष के अंत तक आने की उम्मीद है। बता दें कि जुलाई के मध्य में द्रुज आध्यात्मिक नेता शेख हिकमत अल-हिजरी से जुड़े सशस्त्र समूहों ने स्थानीय बेडौइन कबीलों के साथ संघर्ष किया, जिसके बाद सरकारी बलों ने हस्तक्षेप किया, जिन्होंने प्रभावी रूप से बेडौइनों का पक्ष लिया। सैकड़ों नागरिक, जिनमें से अधिकांश द्रुज़ थे।

संविधान संशोधन के खिलाफ लाहौर में हड़ताल करेंगे वकील

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के लाहौर शहर में वकीलों ने उच्चतम न्यायालय की शक्तियों को कम करने वाले विवादास्पद 27वें संविधान संशोधन के खिलाफ रविवार को हड़ताल की घोषणा की और न्यायाधीशों से अपना विरोध दर्ज कराने के लिए इस्तीफा देने का भी आग्रह किया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बृहस्पतिवार को 27वें संविधान संशोधन पर हस्ताक्षर कर उसे कानून बना दिया, जिसमें रक्षा बलों के प्रमुख के एक नए पद और एक संवैधानिक न्यायालय के सृजन का प्रावधान है।

ड्रग ले जा रही बोट पर अमेरिका का हवाई अटैक: 75 दिनों में 21वां हमला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने शनिवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में एक ड्रग तस्करी करने वाली नाव पर हवाई हमला किया, जिसमें तीन लोग मारे गए। अमेरिकी सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। यह सितंबर की शुरुआत से अब तक अमेरिकी सेना का ड्रग नावों पर किया गया 21वां हमला है। आंकड़ों के अनुसार, इन हमलों में अब तक 83 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुताबिक ये हमले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के आदेश पर हो रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन ने इन हमलों को अमेरिका में ड्रग्स सप्लाई रोकने के लिए जरूरी कदम बताया। न्याय विभाग ने इन हमलों को सही ठहराया है और कहा गया है कि इन ऑपरेशनों में शामिल अमेरिकी सैनिकों को मुकदमा चलाने से छूट मिलेगी।

अमेरिकी सेना ने हमले का वीडियो जारी किया : अमेरिकी दक्षिणी कमान ने रविवार को हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया ङ्ग पर जारी किया। वीडियो में विस्फोट दिख रहा है, जिससे नाव के परखच्चे उड़ गए। हमले के तुरंत बाद बोट में आग लग गई। मारे गए लोगों की राष्ट्रीयता या पहचान की जानकारी नहीं दी गई।

ट्रम्प बोले- ड्रग तस्करी करने वाले पर स्ट्राइक की : इससे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था, 'मेरे आदेश पर अमेरिकी सेना ने ड्रग तस्करी करने वाले कार्टेल और नार्को टेररिस्ट पर स्ट्राइक की। ये लोग वेनेजुएला से नशीले पदार्थ अमेरिका की ओर ले जा रहे थे।' अमेरिका ने 10 नवंबर को भी पूर्वी प्रशांत महासागर में दो संदिग्ध नावों पर हवाई हमला किया। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बताया कि ये नाव ड्रग्स लेकर जा रहे थे। इसमें 6 लोग मारे गए थए। हेगसेथ ने एक्स पर पोस्ट किया कि ये नावें आतंकवादी संगठनों से जुड़ी थीं और कोकीन तस्करी कर रही थीं।

वेनेजुएला की ड्रग संगठन 'कार्टेल डे लोस सोल्स' आतंकवादी संगठन घोषित अमेरिकी कांग्रेस के सांसदों, मानवाधिकार संगठनों और सहयोगी देशों ने इन हमलों की वैधता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि युद्ध क्षेत्र से बाहर हमले करने का कानूनी आधार साफ नहीं है। ट्रम्प प्रशासन का कहना है कि उसके पास पूर्ण कानूनी अधिकार हैं। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को वेनेजुएला की ड्रग संगठन 'कार्टेल डे लोस सोल्स' को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' घोषित किया।

इससे अमेरिका में इस ग्रुप को किसी भी तरह की मदद देने वाला अपराधी माना जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि यह संगठन 'ट्रेन डे अरागुआ' नामक अपराधी समूह के साथ मिलकर अमेरिका में नशीले पदार्थ भेजता है। ट्रम्प प्रशासन का दावा है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो इस कार्टेल के नेता हैं, हालांकि मादुरो हमेशा इससे इनकार करते आए हैं। अमेरिकी अधिकारी मादुरो सरकार के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने पर विचार कर रहे हैं।

कैलिफोर्निया के ज्वेलरी शॉप से 1.4 करोड़ रुपए के गहने चोरी; दुकान मालिक ने बचाव में गोलीबारी की

कैलिफोर्निया , एजेंसी। कैलिफोर्निया में एक ज्वेलरी दुकान पर गुरुवार शाम मास्क पहने पांच लुटेरों ने धावा बोल दिया। उन्होंने करीब 1.4 करोड़ रुपए की ज्वेलरी लूट ली। हालांकि, दुकान मालिक के गोली चलाने के बाद सभी भाग निकले। घटना शाम 7 बजे के बाद हुई जब दुकान 'ओलिविया फाइन ज्वेलरी' से ग्राहक निकल चुके थे। काले कपड़े और मास्क पहने लुटेरे अचानक अंदर घुसे। कुछ के हाथ में कांच तोड़ने के औजार थे, जबकि एक दरवाजे पर पहरेदार बना रहा।

लुटेरे काउंटर पार कर ज्वेलरी निकालने लगे। तभी पीछे के कमरे से दुकान मालिक निकले और हैंडगन से 3-5 गोलियां चलाईं। लुटेरे एक-दूसरे पर गिरते हुए बाहर भागे। मालिक ने दरवाजे पर पहुंचकर और चेतावनी की गोलियां चलाईं। कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन लुटेरे ज्वेलरी लेकर फरार हो गए। पुलिस को लुटेरों की गाड़ी शहर के बाहर मिली। जांच में पता चला कि डकैती से पहले वे इलाके में चक्कर लगा रहे थे। सीसीटीवी फुटेज की जांच जारी है। लुटेरों की पहचान नहीं हो सकी क्योंकि वे मास्क और काले कपड़ों में थे।

हमें युद्धबंदियों के अदला-बदली शुरू किये जाने का भरोसा है: जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन का युद्ध लगातार लंबा खिंचता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस मुद्दे पर अब कम ही बात करते हुए नजर आते हैं। ऐसे में अब रूस और यूक्रेन मिलकर कुछ हद तक माहौल को हल्का बनाते हुए नजर आ रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि उनका देश रूस के साथ कैदियों की अदला-बदली फिर शुरू करने की कोशिश कर रहा है, जिससे लगभग 1,200 यूक्रेनी कैदी वापस आ सकते हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, 'हमें ...युद्धबंदियों के अदला-बदली शुरू किये जाने का भरोसा है। इसे सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान में कई बैठकें एवं वार्ताएं हो रही हैं।'

गौरतलब है कि इस मुद्दे पर यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव ने एक दिन पहले वार्ता में प्रगति की घोषणा की थी। उमेरोव ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने कैदियों का आदान-प्रदान पुनः शुरू करने के लिए तुर्कीए और संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में बात की जा रही है। दोनों देश इस्तांबुल की मध्यस्थता में 1,200 यूक्रेनवासियों को हिरा करने के लिए कैदियों के आदान-प्रदान के

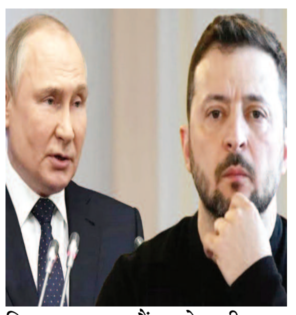

लिए सहमत हुए हैं। यूक्रेन की तरफ से भले ही इस पर सहमति जता दी गई हो, लेकिन रूस की तरफ से फिलहाल कोई बयान सामने नहीं आया है। आपको बता दें रूस और यूक्रेन दोनों ही इस्तांबुल समझौते 2022 के तहत कैदियों के आदान-प्रदान का सम्मान करते हैं। इसके तहत ही पिछले तीन सालों में दोनों देश हजारों सैनिकों का आदान-प्रदान कर चुके हैं। यूक्रेन लगातार हो रहे रूसी हवाई हमलों से बचने के लिए जी-जान से प्रयास कर रहा है, जिसके कारण सर्दियों के शुरू होते ही समूचे यूक्रेन में बिजली गुल हो गई है। यूक्रेन की वायु सेना ने रविवार को बताया कि रूस ने रातभर में कुल 176 ड्रोन और एक मिसाइल दागी तथा यूक्रेनी सेना ने 139 ड्रोनों को मार गिराया या निष्क्रिय कर दिया। अग्रिम मोर्चे पर, रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसकी सेनाओं ने यूक्रेन के दक्षिणी जापोरिज्जिया क्षेत्र में दो बस्तियों पर कब्जा कर लिया है।

नेतन्याहू ने खाई कसम, कहा- अलग देश नहीं बन पाएगा फिलिस्तीन, अमेरिका को भी दो टूक

येरुशलम, एजेंसी। गाजा में युद्धविराम के बाद अब अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फिलिस्तीन राष्ट्र को लेकर अपना प्रस्ताव पेश करने जा रहा है। इसपर वोटिंग से पहले ही इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खा ली है कि वह किसी भी कीमत पर फिलिस्तीन राष्ट्र का समर्थन नहीं करने वाले हैं। नेतन्याहू लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि फलस्तीनी राष्ट्र बनाने से हमास को लाभ होगा और इजराइल की सीमाओं पर अंततः हमास द्वारा संचालित एक और भी बड़ा राष्ट्र बनेगा। हालांकि, गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की अमेरिका की कोशिशों के बीच नेतन्याहू को लचीलापन दिखाने के लिए भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

सुरक्षा परिषद द्वारा अमेरिका के प्रस्ताव पर मतदान किए जाने की संभावना है, जिसके तहत रूस, चीन और कुछ अरब देशों के विरोध के बावजूद गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की स्थापना की जाएगी। हमास और फलस्तीनी गुटों ने रविवार को अमेरिकी प्रस्ताव के खिलाफ चेतावनी दी और इसे गाजा पर एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय शासनादेश थोपने का प्रयास बताया जो इजराइल के प्रति पक्षपाती है और फलस्तीनियों को अपने मामलों का प्रबंधन करने के अधिकार से वंचित करता है। इन गुटों ने एक बयान में कहा कि इस बल में इजराइल शामिल नहीं होना चाहिए और यह सीधे संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में होना चाहिए।

बयान में अमेरिकी प्रस्ताव में गाजा को निरस्त्र करने के हर संदर्भ को खारिज कर दिया गया। नेतन्याहू ने रविवार को इस प्रस्ताव का उल्लेख किया जिसमें गाजा को सेना से मुक्त करने और हमास को निरस्त्र करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल से कहा, ''यह या तो आसान तरीके से होगा, या कठिन तरीके से।'' नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना के प्रति इजराइल के विरोध में ''जरा भी बदलाव नहीं आया है'' और उसे बाहरी या आंतरिक दबाव से बदला नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, 'मुझे किसी की पुष्टि, किसी के ट्वीट या किसी के भाषण की जरूरत नहीं है।

कांगो में खदान ढहने से 80 की मौत, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

ब्राज़ाविल, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में शनिवार को एक खदान ढह गया। हादसे में कम से कम 80 लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। एक अधिकारी ने रविवार को घटना की जानकारी दी। यह हादसा लुआलाबा प्रांत के मुलोंडो में कलांडो खदान में हुई।

प्रांत के गृह मंत्री रॉय कौम्बा मायोंडे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि भारी बारिश और लैंडस्लाइड के खतरे के कारण खदान में जाने पर बैन लगा था। इसके बावजूद अवैध माइनिंग करने वाले खदान में जबरन खदान में घुस गए थे। डीआरसी की सरकारी एजेंसी एसएईएमएपीई की रिपोर्ट में कहा गया है कि घटनास्थल पर सैनिकों की फायरिंग से माइनिंग करने वालो में

दहशत फैल गई और वे खदान के ऊपर पुल की ओर दौड़ पड़े, जिससे पुल ढह गया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें खदान के नीचे कई लोग खड़े दिखे। अचानक खदान का बड़ा हिस्सा ढह गया और उसके मलबे में कई लोग दब गए। कई लोग भागने के दौरान एक-दूसरे के ऊपर गिर गए, जिससे उनकी जान गई। बता दें कि डीआरसी दुनिया में कोबाल्ट का सबसे बड़ा उत्पादक है। कोबाल्ट इलेक्ट्रिक वाहनों और दूसरे प्रोजक्ट के लिए लिथियम-आयन बैटरी बनाने में इस्तेमाल होता है। इस मध्य अफ्रीकी देश में उत्पादन का 80% हिस्सा चीनी कंपनियों के कंट्रोल में है। देश की खनन इंडस्ट्री लंबे समय से बाल मजदूरी, असुरक्षित परिस्थितियों और भ्रष्टाचार के आरोपों के जूझ रही है।

इक्वाडोर का ड्रग गिरोह का सरगना स्पेन में पकड़ा गया : क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर के सबसे वांछित ड्रग तस्करों में से एक को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। कई साल पहले वो अपनी मौत का नाटक करके स्पेन भाग गया था। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने कहा कि विल्मर चावरिया, जिसे 'पिपो' के नाम से भी जाना जाता है, को स्पेनिश पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में स्पेन के शहर मलागा में पकड़ लिया गया। चावरिया को लॉस लोबोस का सरगना माना जाता है, जो लगभग 8,000 लड़ाकों वाला एक ड्रग तस्करी समूह है और जिसे हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा एक आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। लॉस लोबोस का नाम इक्वाडोर में राजनीतिक हत्याओं से जुड़ा रहा है और उस पर मैक्सिको के जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल के साथ मिलकर काम करने का भी आरोप है।

16 साल तक रचा खुद की मौत का नाटक, आखिरकार पकड़ा गया बुजुर्ग यौन अपराधी

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यह पुलिस ने एक ऐसे यौन अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिसे वह पिछले 16 साल से मरा हुआ मान रही थी। आरोपी ने अपनी मौत का झूठा नाटक इतनी संजीदगी के साथ रचा था कि उसे स्वयं भी इस बात का भरोसा था कि पकड़े जाने से पहले ही वह मर जाएगा। स्थानीय पुलिस के मुताबिक फ्लोरिडा के इस शातिर अपराधी को इसी हफ्ते इंडियाना से गिरफ्तार किया गया।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2010 में अपनी मौत की झूठी कहानी रचने के बाद से फरार आरोपी गैरी बेन हार्वर्ड को यूएस

मार्शल्स ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तार होने के समय पर भी वह कह रहा था कि उसे उम्मीद थी गिरफ्तार होने के पहले वह मच चुका होगा।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक गैरी नामक इस बुजुर्ग को 2007 में पिनेलेस काउंडी में चाइल्ड पोर्नोग्राफी रखने समेत 22 मामलों में दोषी पाया गया था। इसके बाद इसे आजीवन यौन अपराधी घोषित कर दिया गया था। हालांकि, 2010 में सभी लोगों को धोखा देते हुए गैरी फ्लारिडा से भागकर इंडियाना चला गया। अधिकारियों के मुताबिक उसने साजिश के तहत केंटकी की एक लेक में अपनी किराए की कार को ऐसी हालत में पार्क किया, जिसमें इस बात का पता चले कि उसने आत्महत्या कर ली है।

इस घटनाक्रम का पता पुलिस को तब चला जब गैरी ने 2011 में खुद को यौन अपराधी के रूप में रजिस्टर नहीं कराया। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। इसके बाद यह मामला आया गया हो गया। पुलिस को इस बात का यकीन हो गया कि गैरी ने आत्महत्या कर ली है। हालांकि हाल ही में पुलिस को जानकारी मिली की गैरी जिंदा है। इसके बाद अदालत ने एक बार फिर से आदेश जारी करके कहा कि गैरी को फ्लोरिडा लाया जाए, जिससे वह अपने अपराधों का सामना कर पाए। टाइम्स के मुताबिक इसके बाद पुलिस कर्मियों ने जानकारी निकाली कि इंडियाना में गैरी के काफी जान पहचान वाले रहते हैं। इसके बाद मार्शल्स ने इंडियाना में गश्त बढ़ा दी और अंत में गैरी को गिरफ्तार कर लिया गया। वर्तमान में उसे बैंडरबर्ग काउंटी जेल में भेजा गया है।

न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर ममदानी जल्द मुलाकात कर सकते हैं ट्रंप

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को संकेत दिया कि वे न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी से मुलाकात करने के इच्छुक हैं। ट्रंप ने कहा कि वे 'कुछ न कुछ रास्ता निकाल लेंगे', राष्ट्रपति ट्रंप का यह बयान दोनों नेताओं के बीच चल रही सियासी बयानबाजी के बीच आया है।

ममदानी को देश से निकालने की ट्रंप ने की थी बात : ट्रंप पिछले कई महीनों से ममदानी पर तीखे हमले कर रहे थे। वे उन्हें गलत तरीके से 'कम्युनिस्ट' बताते रहे और दावा करते रहे कि अगर ममदानी जीते तो न्यूयॉर्क बर्बाद हो जाएगा। इतना ही नहीं, उन्होंने ममदानी, जो युगांडा में जन्मे और बाद में अमेरिकी नागरिक बने, को देश से निकालने और शहर से संघीय फंडिंग रोकने की धमकी भी दी थी। ट्रंप के कठोर प्रवासी-विरोधी रुख के खिलाफ ममदानी का अभियान लेकिन न्यूयॉर्क की राजनीति ने अलग कहानी लिखी। 34 वर्षीय जोहरान ममदानी, जो कभी अपेक्षाकृत अंजान राज्य विधायक थे, सोशल मीडिया के सितारे बने और ट्रंप की नीतियों के मुखर विरोधी चेहरों में से एक बनकर उभरे। उन्होंने प्रगतिशील नीतियों और ट्रंप के कठोर प्रवासी-विरोधी रुख के खिलाफ अभियान चलाया। मेयर चुनाव में उन्होंने पूर्व राज्यपाल एंड्रयू कुओमो को करीब 9 प्रतिशत अंकों से हराकर बड़ी जीत हासिल की। अपनी जीत के भाषण में जोहरान ममदानी ने कहा

था कि न्यूयॉर्क देश को दिखाएगा कि ट्रंप की नीतियों का मुकाबला कैसे किया जाता है। लेकिन अगले ही दिन उन्होंने यह भी कहा कि वे शहर के हित के लिए किसी से भी काम करने को तैयार हैं, चाहे वह राष्ट्रपति ही क्यों न हों।

दोनों के बीच पिघल रही जमी बर्फ : जोहरान ममदानी की टीम ने रविवार को ट्रंप की टिप्पणी पर सीधा जवाब नहीं दिया, लेकिन यह दोहराया कि नवनिर्वाचित मेयर पहले ही संकेत दे चुके हैं कि वे व्हाइट हाउस से संपर्क करेंगे, क्योंकि 'यह संबंध शहर की सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।' ट्रंप ने भी रविवार को इसी सोच को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, 'न्यूयॉर्क के मेयर हमसे मिलना चाहते हैं। हम कुछ न कुछ कर लेंगे।'

अभी बैठक की तारीख तय नहीं हुई- लेविट : व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने बाद में स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति ममदानी की बात कर रहे थे। अभी बैठक की तारीख तय नहीं हुई है। ट्रंप ने कहा, 'हम चाहते हैं कि न्यूयॉर्क के लिए सब कुछ अच्छा हो।

रूस से व्यापार करने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाने का कानून ला रही ट्रंप सरकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन जल्द ही एक नया कानून बनाने जा रहा है, जिसके तहत रूस से व्यापार करने वाले देशों पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसे समर्थन दे दिया है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनकी पार्टी एक विधेयक लाने जा रही है, जिसके तहत रूस से व्यापार करना किसी भी देश के लिए बेहद मुश्किल हो जाएगा।

विधेयक को लेकर ट्रंप क्या बोले

ट्रंप ने कहा कि 'रूस के व्यापारिक साझेदार देश यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने के लिए जिम्मेदार हैं, खासकर रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने वाले देश। ट्रंप ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऐसा विधेयक लाने जा रही है, जिसमें रूस से व्यापार करने वाले देशों पर काफी कड़े प्रतिबंधों का प्रावधान है।'

भारत के लिए हो सकती है परेशानी

: रूस से व्यापार करने वाले देशों में भारत और चीन शामिल हैं। ऐसे में अमेरिका के इस नए कानून से भारत की परेशानी बढ़ सकती है। अमेरिका पहले ही भारत पर रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त टैरिफ लगा चुका है। अमेरिका का मानना है कि रूस के यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने में भारत और चीन का प्रमुख योगदान है। नए कानून के तहत भारत और चीन के अलावा ईरान की भी परेशानी बढ़ सकती है।

भारत-रूस में बढ़ रहा द्विपक्षीय व्यापार : एक तरफ अमेरिका रूस से व्यापार करने वाले देशों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ भारत और रूस के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है। साल 2030 तक दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य तय किया है। भारत और रूस के बीच इंडिया-यूरेशियन इकॉनोमिक यूनियन मुक्त व्यापार समझौता हो सकता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिका का यह विधेयक पारित हो जाता है, तो ट्रंप उन देशों से आयात पर 500 प्रतिशत तक शुल्क लगा सकेंगे जो रूस से कच्चा तेल या गैस खरीदते हैं।

पाकिस्तान: सिंध में अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 7 की मौत : लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक अवैध पटाखा फैकटरी में विस्फोट हो गया। इसमें कम से कम सात लोग मारे गए और कई घायल हो गए। बचाव अधिकारियों ने बताया कि हैदराबाद शहर के लतीफाबाद इलाके में शनिवार रात एक गैरलाइसेंसी पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के बाद शनिवार रात मकान का एक हिस्सा ढह गया। कुछ लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। बचाव दल के प्रवक्ता ने बताया कि बचाव अभियान पूरा होने के बाद ही विस्फोट के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। लतीफाबाद के सहायक आयुक्त सऊद लुंड ने घटनास्थल पर मीडिया से बातचीत में इस बात की पुष्टि की कि पटाखे अवैध रूप से बनाए जा रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि फैक्टरी का मालिक असद जई फरार है।

बीसीसीआई का बड़ा फैसला, राजनीतिक तनाव के चलते भारत-बांग्लादेश महिला क्रिकेट सीरीज रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश की महिला टीमों के बीच अगले महीने होने वाली सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज को बीसीसीआई ने फिलहाल स्थगित कर दिया है। बोर्ड अब दिसंबर में टीम इंडिया के लिए एक वैकल्पिक सीरीज कराने के विकल्प तलाश रहा है।

आईसीसी के भविष्य दौरा कार्यक्रम (FTP) के तहत यह सीरीज कुल 6 मैचों- 3 वनडे और 3 टी20 की थी, जिन्हें कोलकाता और कटक में आयोजित किया जाना था।

सीरीज क्यों टली?

बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर कारण नहीं बताया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, भारत-बांग्लादेश के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव इस फैसले की बड़ी वजह हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को उनके देश में एक अदालत द्वारा मौत की सजा सुनाए जाने के बाद से वहां हालात बेहद तनावपूर्ण हैं। इसी राजनीतिक उथल-पुथल से दोनों देशों के संबंध भी प्रभावित हुए हैं।

ढाका की अंतरिम सरकार ने हसीना को भारत से सौंपने की मांग भी की है, जिसके चलते माहौल और गंभीर हो गया है।

बीसीसीआई और बीसीबी की प्रतिक्रिया

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया: 'हम दिसंबर में वैकल्पिक सीरीज आयोजित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल इस पर काम जारी है।'

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने भी पुष्टि की कि उन्हें सीरीज स्थगित होने की जानकारी बीसीसीआई से मिल चुकी है और वे नई तारीखों का इंतजार कर रहे हैं।

पहले भी टल चुका है भारत का बांग्लादेश दौरा

इससे पहले, अगस्त 2025 में होने वाला भारतीय पुरुष टीम का सफेद गेंद का दौरा भी सितंबर 2026 तक टाल दिया गया था क्योंकि बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के चलते हसीना सरकार गिर गई थी।

भारत के लिए बड़ी बाधा

यह महिला टीम के लिए विश्व कप जीत के बाद पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होनी थी। यह सीरीज महिला ओडीआई चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत भी करती।

भारत में 17 दिसंबर से होगी विश्व टेनिस लीग, मेदवेदेव और बोपन्ना सहित कई स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यहां 17 दिसंबर से होने वाले विश्व टेनिस लीग (WTL) में भारतीय प्रशंसकों के सामने अपना जलवा दिखाएंगे।

इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2022 में की गई थी और पहली बार भारत में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में किया जाता रहा है। मेदवेदेव और रयबाकिना के अलावा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस, फ्रांसीसी स्टार गेल मोनफिल्स और पाउला बडोसा भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। हाल ही में शीर्ष स्तर के टेनिस से संन्यास लेने वाले रोहन बोपन्ना, सुमित नागल, युकी भांबरी, अंकिता रैना, श्रीवल्ली भामिदीपती और माया रेवती लीग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

रयबाकिना ने कहा, 'मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ यहां अपनी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हूं। मैं अपनी टीम के साथ कोर्ट पर हर पल का आनंद लेने के लिए तैयार हूं।' WTL में चार टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी। प्रत्येक मुकाबले में पुरुष एकल, महिला एकल और दो युगल मैच खेले जाएंगे। राउंड रोबिन के बाद शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

एशेज सीरीज 2-2 से बराबरी पर रहेगी : वॉन

लंदन (एजेंसी)। इसी माह 21 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने जा रही एशेज सीरीज के परिणामों को लेकर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने अपनी-अपनी अपनी राय रखनी शुरु कर दी है। इसी कड़ी में अब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का भी बयान आया है। इसमें वॉन ने कहा है कि दोनो ही टीमें सीरीज में सीरीज 2-2 से बराबरी पर रहेगी। पांच मैचों की इस सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला है। वॉन ने भविष्यवाणी की है कि एशेज सीरीज में दोनो ही टीमें दो-दो मैच जीतेंगी जबकि एक मैच बराबरी पर रहेगा। वॉन के अनुसार मेहमान टीम इंग्लैंड पर्थ में सीरीज के पहले मैच में जीत दर्ज करेगी, क्योंकि इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड नहीं खेलेंगेहै। वॉन ने सोशल मीडिया में लिखा, अगर स्टोक्स फिट रहते हैं, तो मुझे लगता है कि यह सीरीज 2-2 से बराबर रहेगी। इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में जीत हासिल कर सकती है। वहीं अगर सीरीज से पहले कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं होता, तो यही भविष्यवाणी बनी रहेगी।

कमिंस अभी पीठ की चोट से उबर रहे हैं, जबकि तेज गेंदबाज हेजलवुड को शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। वहीं इससे पहले वॉन ने कहा था कि हेजलवुड के बाहर होने के बाद इंग्लैंड की स्थिति पहले से बेहतर है।

वॉन ने तब कहा था, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हेजलवुड और कमिंस पहले टेस्ट से बाहर हैं। इससे इस सीरीज में इंग्लैंड का पलड़ा भारी हो गया है। ऐसे में पर्थ में उनके लिए एक अंक आगे जाने का बड़ा अवसर है। इस वक्त ऑस्ट्रेलियाई टीम में केवल मिचेल स्टार्क ही पूरी तरस से फिट पहली पसंद के तेज गेंदबाज हैं, जबकि स्कॉट बोलैंड बैकअप खिलाड़ी हैं। हेजलवुड के चोटिल होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया दोनों ऑलराउंडरों कैमरन ग्रीन और ब्यू वेबस्टर को तेज गेंदबाज के रूप में अवसर दे सकता है। वहीं अनकैप्ड तेज गेंदबाज ब्रेंडन डोगेट पर्थ में अपना टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं।

गावस्कर ने कहा कोलकाता टेस्ट में पिच को दोष देना गलत

–कोच गंभीर को भी बचाव किया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि कोलकाता टेस्ट में पिच का बचाव करने का मुख्य कोच गौतम गंभीर का फैसला बिलकुल सही है। गावस्कर ने कहा कि पिच को बिना कारणों के दोष दिया जा रहा है। पिच खतरनाक नहीं थी। रही भारतीय बल्लेबाज़ों के विकेट खोने की बात तो वे टेम्परामेंट और तकनीक की कमी के कारण असफल रहे।

कोलकाता टेस्ट तीन दिन भी नहीं चला। इस मैच में भारतीय टीम 124 के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 93 रन ही बना पायी। .

इस मैदान की पिच पहले ओवर से ही अनियमित उछाल और टर्न का सामना कर रही थी। गंभीर ने कहा कि पिच में कमी नहीं थी। उन्होंने सीधा दोष बल्लेबाज़ों पर रखा और कहा कि उनसे इससे कहीं बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी।

गावस्कर ने कहा, मैं गंभीर से पूरी तरह सहमत हूं। 124 रन इस पिच पर हासिल किये जा सकते थे। इसमें कोई सवाल ही नहीं है। बहुत लोग कह रहे हैं कि पिच क्या कर रही थी पर अगर आपने देखा हो कि साइमन हार्मर एक ओवर में कितनी गेंदें टर्न करा रहे थे? वह गेंदों में बहुत बदलाव कर रहे थे। वह सीधी गेंद फेंक रहे थे और कभी-कभी एक गेंद को टर्न करा देते थे। .

गावस्कर ने भारतीय बल्लेबाज़ों के स्वभाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे बहुत जल्दी बड़े शॉट खेलने के प्रयास कर रहे थे। दन्होंने कहा, यह कोई खतरनाक टर्निंग पिच नहीं थी. यह ऐसी पिच थी जिस पर आपको पांच दिन का टेस्ट खेल रहे हों, ऐसा बल्लेबाज़ी करनी थी, न कि 50 ओवर या टी20 की तरह कि तीन डॉट गेंदों के बाद आप बड़ा शॉट खेलने लग जाएं। यही मुख्य समस्या है। 124 रन भारत की इस बल्लेबाज़ी लाइन-अप के साथ कम से कम पांच विकेट रहते हासिल कर लिए जाने चाहिए थे।

गावस्कर ने कहा, मैं गौतम गंभीर से पूरी तरह सहमत हूं कि पिच में कुछ भी गलत नहीं था। तीसरे दिन एक-दो गेंद का टर्न होना सामान्य है। महाराज की कितनी गेंदें टर्न हुईं? जडेजा या अक्षर की कितनी गेंदें टर्न हुईं? लोग इसे स्पिनिंग पिच कह रहे हैं, जबकि इसमें कुछ भी खतरनाक नहीं था।खराब

तकनीक और खराब टेम्परामेंट के कारण भारतीय टीम इस मैच में हारी।

वहीं इससे पहले कई पूर्व क्रिकेटरों चेतेश्वर पुजारा, हरभजन सिंह आदि ने पिच की आलोचना करते हुए कहा था कि इसपर बल्लेबाजी करना संभव नहीं था।

दूसरे टेस्ट में शुभमन का खेलना तय नहीं, नितीश किये जा सकते हैं शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट में खेलने की संभावना कम है। ऐसे में इस मैच में ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को शामिल किया जा सकता है। शुभमन की गर्दन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बल्लेबाजी के दौरान जकड़न आ गयी थी। इस कारण वह अस्पताल में भी भर्ती थे हालांकि अब वह होटल वापस आ गये हैं पर अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हुए है। ऐसे में माना जा रहा है कि उनका दूसरे टेस्ट में गुवाहाटी में खेलना तय नहीं है। वहीं रेड्डी को ईडन गार्डन्स टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया था पर अब उनकी वापसी होने की संभावना है।

नितीश कोलकाता टेस्ट मैच से पहले बीसीसीआई ने रिलीज कर भारत ए के के लिए खेलने के लिए कहा था। वहीं शुभमन के फिट नहीं होने के कारण बोर्ड ने उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए शामिल किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वह 18 नवंबर को ईडन गार्डन्स में वैकल्पिक सत्र में अभ्यास भी करेंगे.

रेड्डी ने भारत ए की ओर से दो लिस्ट ए मैच खेले और जबकि उन्हें दूसरे मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अवसर नहीं मिला था। उन्होंने पहले मैच में 37 रन बनाए थे 18 रन देकर एक विकेट लिया था। टेस्ट टीम में फिर से शामिल पर वह 19 नवंबर को होने वाले भारत ए के तीसरे मैच में नहीं खेलेंगे।

वहीं शुभमन के बाहर होने से टीम की बल्लेबाजी कमजोर हुई है और इसी कारण रेड्डी जोड़ा जा रहा है। शुभमन अभी गर्दन के दर्द से उबर रहे हैं। बोर्ड उनके कार्याभार प्रबंधन पर भी ध्यान रखे हुए है। भारतीय टीम के पास अन्य विकल्प के तौर पर बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन भी हैं प रेड्डी को अंतिम ग्यारह में शामिल करने से निचले क्रम में बल्लेबाजी को मजबूती मिलने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजी कमजोर पड़ने से पहला टेस्ट तीन दिनों के अंदर ही समाप्त हो गया था।

भारत–दक्षिण अफ्रीका दूसरे टेस्ट के समय में नजर आयेंगे बदलाव

लंच ब्रेक से पहले होगा टी ब्रेक

गुवाहाटी । भारत और इंग्लैंड के बीच 22 नवंबर से गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में समय के साथ ही अन्य कुछ बदलाव भी नजर आयेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां के मौसम को देखते हुए समय में ये बदलाव किया गया है। इसके तहत ही ये मैच सुबह 9 बजे शुरु होगा जबकि आमतौर पर भारत में मैच 9.30 पर शुरु होते हैं। पूर्वोत्तर भारत में सूर्योदय और सूर्यास्त जल्दी होने के कारण समय में बदलाव किया है। इसी के तहत ही गुवाहाटी में टॉस सुबह 8-30 बजे कराया जाएगा और फिर पहली गेंद 9 बजे फेंकी जाएगी। पांचों दिन पहला सत्र 9 से 11 बजे तक होगा। इसके बाद 20 मिनट का चाय का ब्रेक होगा। दूसर सत्र 11.20 बजे से 1.20 बजे तक चलेगा। दूसरे सत्र की समाप्ति के बाद 40 मिनट का लंच ब्रेक रहेगा। फिर दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक अंतिम सत्र होगा। यदि तय समय में पूरे ओवर नहीं होते हैं तो खेल को आधा घंटा आगे बढ़ाया जाएगा। इस प्रकार मुकाबला शाम 4.30 बजे तक आगे बढ़ सकता है. ये पहली बार होगा जब किसी टेस्ट में पहले टी ब्रेक और फिर लंच ब्रेक होगा। इसी को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, यह व्यावहारिक फैसला है। सर्दियों के समय पूर्वोत्तर भारत में सूर्योदय और सूर्यास्त बहुत जल्दी हो जाते हैं। शाम 4 बजे तक रोशनी काफी कम हो जाती है और उसके बाद ज्यादा खेलनो संभव नहीं हो पाता है। इसी चलते हमने इस टेस्ट मैच को जल्दी शुरू करने का फ़ैसला लिया है। इस सीरीज का पहला टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने 30 रनों से जीतकर सीरीज में 1–0 की बढ़त ली है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतना रहेगा।

अर्जुन तेंदुलकर ने सीनियर क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे किये

मुम्बई । गोवा की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने सौराष्ट्र के खिलाफ मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अर्जुन ने इस मैच में सौराष्ट्र के हरविक देसाई को 45 रन पर आउट करने के साथ ही सीनियर क्रिकेट में अपने विकेटों का शतक पूरा किया। उन्होंने सीनियर क्रिकेट में अपना पहला विकेट जनवरी 2021 में हरियाणा के खिलाफ अपनी पुरानी टीम मुंबई की ओर से डेब्यू मैच में लिया था। अर्जुन ने मुंबई की ओर से केवल एक सीनियर मैच खेला हैं। इसके बाद वह गोवा चले गये थे। उन्होंने दिसंबर 2022 में राजस्थान के खिलाफ मैच में गोवा की ओर से रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी में अपने पिता सचिन तेंदुलकर की तरह ही डेब्यू में शतक लगाया था। अर्जुन ने रणजी डेब्यू से एक महीने पहले आंध्र प्रदेश के खिलाफ लिस्ट ए में डेब्यू किया था। अर्जुन के नाम फर्स्ट–क्लास क्रिकेट में 48 विकेट हैं। उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में 25 बल्लेबाजों को आउट किया है। अर्जुन के नाक टी20 में 27 विकेट हैं। अर्जुन आईपीएल 2021 की मिनी–नीलामी में अपने बेस प्राइस 20 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस पहुंचे थे। उन्होंने आईपीएल 2025 की बड़ी नीलामी में भी उन्हें उसी कीमत पर फिर से लिया था। अर्जुन ने 2023 में आईपीएल में डेब्यू किया और उस सीजन में 4 मैचों में 3 विकेट लि। उन्होंने आईपीएल 2024 में केवल एक मैच खेला था।

आईपीएल 2026 सत्र में टीम के भरोसे को सही साबित करना रहेगा मार्कराम का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन का पूरा प्रयास करेंगे। मार्कराम 2025 सत्र में भी सुपर जायंट्स के साथ थे और उनका कहना है कि फ्रैंचाइजी के उन्होंने टीम में बनाये रहने से वह बेहद खुश हैं। मार्कराम ने गत सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाए थे जिसमें 5 अर्धशतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी लिए थे। इसी कारण उन्हें टीम ने अपने साथ रखा है। ।

मार्करम ने कहा, मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रैंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने साथी खिलाड़ियों से बहुत अच्छी दोस्ती की और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। इसलिए मुझे रिटेन किए जाने पर बहुत खुशी है और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र खेलने के लिए उत्साहित हूं।

उनसे यह भी पूछा गया कि टूर्नामेंट के इस सत्र वह किस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। जिस पर उन्होंने कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि हम पिछले सत्र में बहुत पीछे थे। यहां-वहां कुछ पल और कुछ परिणाम अलग दिखते। इससे पहले कि आप कुछ समझ पाते, आप नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुके होते हैं। इसलिए निश्चित रूप से किसी भी चीज को ज़्यादा कठिन नहीं बनाना चाहिए। मुझे लगता है कि हमने जो चीजें अच्छी कीं, उन्हें फिर से करने की कोशिश करें और कुछ और महत्वपूर्ण क्षण जीतें। इससे पहले कि आप जानते हैं, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता हमारे लिए वास्तव में आशाजनक है। आईपीएल में हालांकि टीम को उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं मिले। ऋषभ पंत ने कप्तान के रूप में पद संभाला, जहीर खान टीम के संरक्षक थे। फिर भी, टीम प्लेऑफ से चूक गई, अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। अब टीम का लक्ष्य इस सत्र में वापसी करना रहेगा।

हर टूर्नामेंट में पदक हासिल करना संभव नहीं, मैं हमेशा भारत का समर्थन करती हूं : मनु भाकर

नई दिल्ली । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने ISSF विश्व चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को बरकरार न रख पाने को झटका करार देते हुए हमवतन खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। भाकर ने कहा कि वह 'हर दिन नहीं जीत सकतीं'। हाल ही में संपन्न हुए इस टूर्नामेंट में 13 भारतीय पदक विजेताओं में मनु भाकर का शामिल न होना निशानेबाज़ी जगत के कई लोगों के लिए थोड़ा आश्चर्य की बात है। भाकर ने कहा, 'मैं विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही थी। मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन मैं शीर्ष तीन में जगह नहीं बना पाई। मेरी टीम की साथी ईशा सिंह ने पदक जीता। आप खेल में हर दिन जीत नहीं सकते। कभी कभी हार का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि भारत को पदक जीतना चाहिए और यह मेरे या किसी और के जीतने से जुड़ा नहीं होना चाहिए। जब तक भारत कोई भी पदक जीत रहा है, मैं उसका हौसला बढ़ाते रहूंगी चाहे वह किसी भी खेल में हो।' इस 23 साल की पिस्टल निशानेबाज 'ASMITA (महिलाओं को प्रेरित करके खेल जगत में उपलब्धि हासिल करना) के सोशल मीडिया हैंडल के लॉन्च पर बोल रही थी। भाकर ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन इस साल कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई हैं। इस साल अगस्त में एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतना उनकी बड़ी उपलब्धियों में से एक है। भाकर ने 'ASMITA' पहल के बारे में कहा कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के खेल से जुड़ने को लेकर लोगों की सोच को बदलने में मददगार होगा।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले मुरलीधर का रिकार्ड अभी टूटना संभव नहीं

–कोई भी गेंदबाज नहीं है करीब

मुम्बई (एजेंसी)। आजकल सीमित ओवरों के प्रारुप का चलन बढ़ गया है पर टेस्ट क्रिकेट का महत्व अब भी अपनी जगह पर बना हुआ है। टेस्ट प्रारुप में विकेट लेने के लिए गेंदबाज में कौशल के साथ ही धैर्य होना भी जरुरी होता है कयोंकि इस प्रारुप में बल्लेबाज संभल कर खेलते हैं और टी20 प्रारुप की तरह हर गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास नहीं करते हैं। टेस्ट प्रारुप में सबसे अधिक विकेट का रिकार्ड श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम हैं। मुरली ने अपने करियर में अब तक कुल 800 विकेट लिए हैं जो अभी टूटना संभव नहीं हैं क्योंकि वर्तमान समय का कोई भी गेंदबाज उनके करीब नहीं है केवल इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन के नाम ही 704 विकेट हैं पर उन्होंने भी संन्यास ले लिया है।

। मुरलीधरन ने 133 टेस्ट में 67 बार पांच विकेट और 22 बार दस विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर दूसरे स्थान पर हैं ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न हैं। वार्न ने 145 मैचों में अपने 708 विकेट लिए। वहीं इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, 704 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर है। सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की इस सूची में भारत टीम के दिग्गज स्पिर अनिल कुंबले 619 विकेट के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं पांचवे नंबर पर इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड, ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा और ऑस्ट्रेलिया के नैथन लियोन हैं। इन सभी के नाम 500 से ज्यादा विकेट हैं। भारत के आर अश्विन भी 537 विकेट के साथ ही इस सूची में शामिल हैं।

जर्मनी और नीदरलैंड ने अपने–अपने मुकाबले जीतकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए प्रवेश हासिल किया

म्यूनिख । जर्मनी और नीदरलैंड ने अपने अपने क्वालीफाइंग मुकाबले जीतकर फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के लिए प्रवेश हासिल कर लिया है। जर्मनी ने स्लोवाकिया को 6–0 से हराया जबकि नीदरलैंड्स ने लिथुआनिया को 4–0 से हराते हुए ग्रुप जी में पहला स्थान हासिल किया। जर्मनी की जीत में लेरॉय की अहम भूमिका रही। उन्होंने स्लोवाकिया के खिलाफ दो गोल किये। जर्मनी की ओर से पहला गोल 18 वें मिनट में निक वोल्टेमाडे ने किया। वहीहं सर्ज ग्नब्री ने 29वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम की बढ़त को और बढ़ा दिया। फ्लोरियन विट्र्ज ने 36वें और 41वें मिनट में दो गोल करते हुए जर्मनी को 4–0 से बढ़त दिला दी। ब्रेक के बाद रिडल बाकू ने 67वें मिनट में गोल दागा। मुकाबले के 79वें मिनट में असन ओउएड्रागो ने साने के शानदार शॉट के बाद गोल दागकर टीम को 6–0 से आगे कर दिया। इस प्रकार ये मुकाबला एकतरफा रहा। वहीं दूसरी ओर, ग्रुप–जी के मुकाबले में नीदरलैंड्स और लिथुआनिया के मैच में 16वें मिनट में तिजानी रेइंडर्स ने डच टीम की ओर से पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में कोडी गाकपो ने गोल कर बढ़त को बढ़ा दिया। वहीं जावी सिमंस ने 60वें मिनट में एक गोल किया। इसके 2 मिनट बाद ही डोनियल मालेन के गोल से नीदरलैंड्स की टीम 4–0 से आगे हो गयी।

हिंसा के बीच ढाका हवाई अड्डे पर 10 घंटे तक फंसे रहे भारतीय तीरंदाज, 7 महिलाएं भी शामिल थी

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजों को उस समय बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा जब वे एशियाई चैंपियनशिप के बाद ढाका से देश लौटने के दौरान उड़ान रद्द होने के कारण लगभग 10 घंटे तक हवाई अड्डे पर फंसे रहे। यही नहीं उन्हें हिंसा प्रभावित बांग्लादेश की राजधानी में बिना सुरक्षा के एक स्थानीय बस में बिठा दिया गया और बाद में उन्हें एक घटिया आश्रय स्थल में रुकना पड़ा।

भारत के 23 सदस्यीय दल के 11 सदस्य उड़ान में बार-बार हो रही देरी के कारण काफी परेशान रहे। इनमें दो नाबालिग सदस्य भी शामिल थे। इस बीच उन्होंने जिस एयरलाइंस से टिकट बुक किया था उसका भी उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इस दल में सीनियर खिलाड़ी अभिषेक वर्मा, ज्योति सुरेखा और ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा भी शामिल थे। वे शनिवार को दिल्ली के लिए रात 9.30 बजे की उड़ान के लिए ढाका हवाई अड्डे पर पहुंचे थे, लेकिन विमान में सवार होने के बाद उन्हें बताया गया कि विमान में तकनीकी खराबी आ गई है और वह उड़ान नहीं भर पाएगा।

यह वह समय था जब ढाका में सड़कों पर हिंसा देखी गई थी, क्योंकि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ विशेष न्यायाधिकरण के फैसले का इंतजार हो रहा था। भारत के इस दल में 7 महिलाएं भी शामिल थी। उड़ान को लेकर कोई स्पष्ट सूचना नहीं मिलने के कारण वे रात दो बजे तक टर्मिनल के अंदर ही रहे। इसके बाद उड़ान रद्द होने की घोषणा की गई और बताया गया कि उस रात कोई वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था नहीं की जाएगी। जैसे ही टीम हवाई अड्डे से बाहर निकली, उनकी परेशानी बढ़ गई।

देश के सबसे प्रतिष्ठित कम्पाउंड पुरुष तीरंदाज वर्मा ने आरोप लगाया कि उन्हें एक ''बिना खिड़की वाली स्थानीय बस'' में भर दिया गया और लगभग आधे घंटे की दूरी पर एक अस्थायी लॉज में ले जाया गया, जो एक 'धर्मशाला' जैसा था। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि जिस स्थान पर टीम को ले जाया गया था, वह 'एक उचित होटल भी नहीं था', जिसमे महिलाओं के लिए एक कमरे में छह बिस्तरों वाला एक कमरा था और उसमें केवल एक शौचालय था जो बहुत गंदा था।

उन्होंने बताया, 'गेस्ट हाउस के नाम पर हमें जिस धर्मशाला में ठहराया गया उसकी स्थिति बेहद खराब थी। एक कमरे में छह बिस्तर लगाए गए थे और जो शौचालय था उसकी हालत बहुत खराब थी। मुझे नहीं लगता कि उसमें कोई स्नान कर सकता था।' अंतरराष्ट्रीय लेनदेन की सुविधा नहीं होने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था करने के उनके प्रयास भी सफल नहीं हो सके।

वर्मा ने कहा, 'अगर हमें पता भी होता कि हमें सुबह 11 बजे तक टिकट मिल जाएगा, तो भी हम हवाई अड्डे पर ही रुक जाते। क्योंकि उन्होंने (एयरलाइन ने) कुछ भी पुष्टि नहीं की थी।' अगली सुबह सात बजे दल हवाई अड्डे के लिए रवाना हुआ, लेकिन दिल्ली पहुंचने पर उन्हें और अधिक देरी का सामना करना पड़ा। कई तीरंदाज हैदराबाद और विजयवाड़ा जाने वाली अपनी उड़ान नहीं पकड़ पाए, जिसके कारण उन्हें महंगी बुकिंग करानी पड़ी।

वर्मा ने कठिन परिस्थिति में राष्ट्रीय टीम का समर्थन न करने के लिए एयरलाइन को जिम्मेदार ठहराने में कोई संकोच नहीं किया। उन्होंने कहा, 'आपका विमान खराब हो गया और आपको पता है कि बाहर दंगे हो रहे हैं तो उन्होंने हमें स्थानीय बस में कैसे बिठाया। अगर हमारे साथ कुछ हो जाता तो उसका जिम्मेदार कौन होता।'

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के क्लाइमैक्स सीन को लेकर मोना सिंह ने किया बड़ा खुलासा

आर्यन खान द्वारा निर्देशित पहली सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड ने दर्शकों को आकर्षित करने का काम किया था। अब इस सीरीज में काम कर चुकीं एक्ट्रेस मोना सिंह ने बताया कि उन्होंने और बॉबी देओल ने इस सीरीज से जुड़े राज को कई साल तक छुपा कर रखा था।

दो साल तक उस राज को छुपाए रखा

अभिनेत्री मोना सिंह ने कहा, 'सिर्फ बॉबी देओल और मुझे ही क्लाइमेक्स के बारे में पता था, सिर्फ हम दोनों को। आर्यन यह बात किसी और को नहीं बताना चाहता थे। यहां तक कि शो का शीर्षक भी, बॉबी सर और मुझे ही पता था। मैं चुप रही और उस बोझ को ढोती रही, दो साल तक उस राज को छुपाए रखा, जो मेरे लिए नामुमकिन है। लेकिन यह सब सार्थक रहा। मुझे बहुत मजा आया। मैं इसका हिस्सा बनकर खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। मैं सचमुच बहुत खुश हूं।'

जब मोना सिंह को आया आर्यन खान का फोन

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने बताया, 'मैं पंजाब में किसी और चीज की शूटिंग कर रही थी और उन्होंने (आर्यन खान) ने मुझे जनवरी के महीने में फोन किया। उन्होंने कहा, हमें सभी रिकॉर्डिंग देने हैं, इसलिए हमें अभी इस गाने की शूटिंग करनी है और आपका समय आ गया है।' मैंने कहा कि ठीक है। इसलिए, मैं एक दिन के लिए बॉम्बे आई और फिर आर्यन ने मुझे सब बताया।'

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के बारे में

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में लक्ष्य लालवानी, सहर बाम्बा, बॉबी देओल, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मनीष चौधरी, मोना सिंह, विजयंत कोहली, मनोज पाहवा, गौतमी कपूर और रजत बेदी जैसे कलाकार नजर आए हैं। कहानी आसमान सिंह (लक्ष्य) नाम के एक ऐसे नौजवान की है जो फिल्मों की दुनिया में बड़ा नाम कमाने का सपना लेकर आता है। उसके साथ उसका दोस्त परवेज (राघव जुयाल) और मैनेजर सान्या (आन्या सिंह) उसका साथ देते हैं। यह कहानी न सिर्फ ग्लैमर की दुनिया की चमक दिखाती है बल्कि उसके पीछे की अंधेरी सच्चाइयों को भी उजागर करती है।

इंग्लिश हॉरर फिल्म लिली रोज में दिखेंगी टिया बाजपेयी

मल्टी-टैलेंटेड सिंगर और एक्ट्रेस टिया बाजपेयी बॉलीवुड और ग्लोबल म्यूजिक में अपनी अलग पहचान रखती हैं। 'सारेगामापा से करियर की शुरुआत करने वाली टिया ने '1920' और 'हॉन्टेड' जैसी हॉरर फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। एक खास बातचीत में उन्होंने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स, ग्लोबल विजन समेत कई बातों पर चर्चा की...

इन दिनों आप किस प्रोजेक्ट में बिजी हैं। आगामी प्रोजेक्ट्स क्या हैं?
मेरा सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट एक इंग्लिश हॉरर फिल्म है जिसका नाम 'लिली रोज है। साथ ही, एक प्रॉपर म्यूजिक एलबम भी जल्द ही रिलीज होने वाला है।

इन प्रोजेक्ट्स में आपकी एक्टिंग और सिंगिंग दोनों देखने को मिलेगी?
हां, दोनों देखने को मिलेंगी। मैं अपनी फिल्मों में भी गाने गाती हूं। हॉरर फिल्म इसलिए चुनी क्योंकि दर्शक चाहते थे कि मैं हॉरर करूं।

बतौर सिंगर और सॉन्ग राइटर आपका ग्लोबल विजन क्या है?
मैं चाहती हूं कि मेरी कला पूरी दुनिया तक पहुंचे। मैं खुद को एक कलाकार (आर्टिस्ट) के तौर पर देखती हूं और चाहती हूं कि लोग मेरी कला की इज्जत करें। अच्छी आवाज ऊपर वाले का गिफ्ट है और मैं चाहती हूं कि यह मेहनत पूरी दुनिया तक पहुंचे।

इंडस्ट्री के दिग्गजों के साथ काम करने का अनुभव और सीख क्या रही हैं?
सबसे अहम सीख है टेम्परमेंट (स्वभाव) बनाए रखना, खासकर दबाव में। दूसरा, सेट पर अपनी ज़िम्मेदारी समझना और काम को पूरा करना (जैसे '1920 की शूटिंग में बर्फीले पानी में काम करना)। सह-कलाकारों के साथ काम करना अच्छा रहा, खासकर उनके सहयोग और अपनी लाइन्स को समय पर खुद देने की आदत के कारण।

क्या कभी एक्टिंग या सिंगिंग में से किसी एक पर फोकस करने का विचार आया?
नहीं, क्योंकि दोनों ही मेरे लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। सिंगिंग बचपन से कर रही हूं लेकिन एक्टिंग ने मुझे खुद चुना। दोनों कला के रूप हैं। मैं दोनों में से किसी को भी चुनने की ज़रूरत महसूस नहीं करती, जैसे आप लेफ्ट या राइट हैंड में से किसी एक को नहीं चुनते।

'सारेगामापा से शुरू हुई आपकी अब तक की जर्नी कैसी रही है?
मैं खुद को बहुत किस्मतवाली समझती हूं कि इतनी कम उम्र में इतना कुछ देखा और किया। यह जर्नी बहुत खूबसूरत रही है। इसमें उतार-चढ़ाव आए लेकिन मेरे प्रशंसक हमेशा साथ रहे, जो मेरे लिए सबसे बड़ी चीज़ है। स्ट्रगल हर फील्ड में है क्योंकि कंपटीशन बहुत ज़्यादा है। यह इंडस्ट्री एक बहुत बड़ा बिजनेस भी है, जिसमें अरबों का पैसा लगता है। सिर्फ अच्छा गाना या दिखना काफी नहीं है। आपको ऑडियंस को समझना, लुक, किस तरह के गाने गाने हैं। ये सब मिलाकर एक कंप्लीट पैकेज बनना पड़ता है। परदे के पीछे की बिजनेस स्टोरी समझना भी बहुत जरूरी है।

बतौर एक्ट्रेस आगे आप किस तरह के रोल करना चाहती हैं?

इतने सालों के काम से मुझमें ठहराव आ गया है और मैं चूजी हो गई हूं। अब मेरा फोकस क्वालिटी पर है, न कि क्वांटिटी पर। मैं अब ऐसे परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड और अच्छे रोल करना चाहती हूं जो एक लेगेसी छोड़कर जाएं, सिर्फ पैसे के लिए फिल्में नहीं करनी हैं।

फिल्म दुनियादारी से बड़े परदे पर दमदार वापसी करेंगे गोविंदा

अभिनेता गोविंदा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वजह है उनकी सेहत। अचानक तबीयत खराब होने के बाद उन्हें मुंबई के जुहू स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक्टर को अब छुट्टी मिल गई है। उनका कहना है कि वे अब ठीक हैं। इस बीच चीची की सेहत को लेकर चिंतित फैंस को एक खुशखबरी भी मिली है। गोविंदा बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं।

एक्टर ने फिल्म को लेकर दिया यह अपडेट

गोविंदा ने फिल्म पर अपडेट देते हुए कहा, मैं अभी जो फिल्म शुरू कर रहा हूं, उसका नाम दुनियादारी है। मैं चाहता हूं कि लोग, खासकर मेरे फैंस, मुझे गोविंदा के बेस्ट फॉर्म में देखें। ठीक वैसे ही, जैसे उन्होंने मुझे पहले देखा है। मैं कहना चाहता हूं कि जब कोई व्यक्ति वफादार और ईमानदार होने के बावजूद विश्वासघात का सामना करता है, तभी उसे दुनिया के तौर-तरीके सही मायने में समझ आते हैं।

अभिनेता गोविंदा दुनियादारी नाम की फिल्म के साथ बड़े परदे पर वापसी कर रहे हैं। इसमें उन्हें गोविंदा का अब तक का बेस्ट अवतार देखने को मिलेगा। बातचीत में गोविंदा ने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके प्रशंसक उन्हें इस फिल्म के जरिए एक बार फिर उनके बेस्ट फॉर्म में देखें। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म किस बारे में होगी और दर्शक इससे क्या उम्मीद कर सकते हैं। लंबे अरसे बाद गोविंदा को परदे पर देखना फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं होगा।

कॉमेडी, डांस और गाना, फिल्म में होगा सबकुछ

गोविंदा ने आगे कहा, मेरी फिल्मों में कॉमेडी, गाने और डांस जैसी वो सारी चीजें होंगी, जो लोगों को पसंद हैं, लेकिन मैं चाहता हूं कि भारत और विदेश में लोग दुनियादारी देखें और समझें कि हमारा देश असल में क्या है। जब लोग यह फिल्म देखेंगे, तो वे मुझे मेरे बेस्ट फॉर्म में देखेंगे। फिल्म को बेहतर बनाने की मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगा।

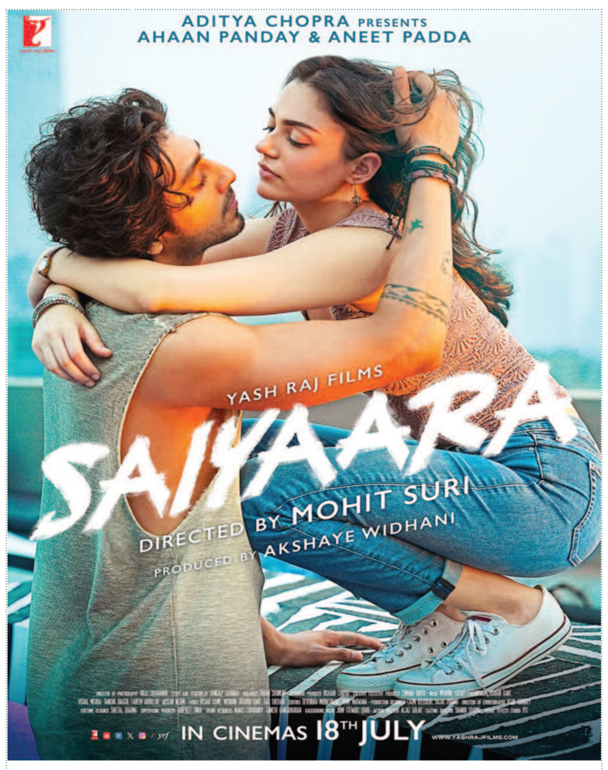

सैयारा ने येलोस्टोन फिल्म फेस्टिवल में जीता अवॉर्ड

मशहूर फिल्ममेकर मोहित सूरी के लिए साल 2025 किसी सपने के सच होने जैसा बन गया है। उनकी फिल्म सैयारा देश-विदेश में अपनी सफलता का परचम लहरा रही है। इस बीच फिल्म ने येलोस्टोन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 (वाईआईएफएफ) में पॉपुलर चॉइस अवॉर्ड जीता। इस मौके पर निर्देशक मोहित सूरी ने कहा कि इस फिल्म की सफलता के पीछे की ताकत यश राज फिल्म्स की ओर से दी जाने वाली आजादी रही है। शुक्रवार को मुंबई में आयोजित वाईआईएफएफ के इवेंट में यश राज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी और निर्देशक मोहित सूरी ने फिल्म सैयारा के लिए अवॉर्ड ग्रहण किया। अवॉर्ड मिलने के बाद मोहित सूरी ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद भावुक करने वाला है। वे पिछले बीस सालों से इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, लेकिन यह उनकी पहली ट्रॉफी है। उन्होंने कहा, इस फिल्म में सब कुछ जैसे पहली बार हुआ, जैसे फिल्म में एक्टर्स पहली बार बड़े पर्दे पर उतरे, वे पहली बार यश राज फिल्म्स के साथ काम कर रहे थे, और अक्षय पहली बार किसी फिल्म का निर्माण कर रहे थे। ये सब पहली बार के अनुभव मेरे लिए यादगार बन गए। मोहित सूरी ने अपने बचपन की उन यादों को भी साझा किया, जब वह थिएटर में दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे देखने गए थे। उन्होंने बताया, उसी पल मैंने सोच लिया था कि मुझे फिल्मों से जुड़ना है। यही सपना धीरे-धीरे बढ़ा और आज मेरी फिल्म को अंतरराष्टीय मंच पर सम्मान मिला।

फिल्म के निर्माता आदित्य चोपड़ा का धन्यवाद करते हुए मोहित ने बताया कि आज के समय में जब बहुत लोग मानते हैं कि रोमांटिक फिल्मों का दौर खत्म हो चुका है, तब आदित्य चोपड़ा ने कहानी पर भरोसा किया। उन्होंने कहा, जहां बाकी इंडस्ट्री एक्शन और बड़े-बड़े स्टंट्स में बिजी है, वहीं आदित्य ने मुझे एक सरल प्रेम कहानी बनाने की पूरी आजादी दी। यह भरोसा किसी भी निर्देशक के लिए सबसे कीमती चीज है।

यह अवॉर्ड जितना मेरा है, उतना यशराज फिल्म्स का भी है। पहली फिल्म में सुरक्षित रास्ता चुनना आसान होता है, खासकर तब जब आपके पास बड़े नामों को लेने का अवसर हो, लेकिन अक्षय विधानी ने दो नए कलाकारों, अहान पांडे और अनीत पड्डा, पर भरोसा किया, जिसने फिल म को नया रूप दिया। मोहित ने आगे बताया, जब मैंने फिल्म की स्क्रिप्ट आदित्य चोपड़ा और अक्षय विधानी को दी, तो दोनों ने तुरंत दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने उस वक्त मुझे सिर्फ एक ही बात कही, कि वे चाहते हैं कि मैं अपनी जिंदगी की सबसे अच्छी फिल्म बनाऊं। उन्होंने कभी भी मुझसे ये नहीं कहा कि फिल्म को हिट होना चाहिए या बॉक्स ऑफिस पर धमाका करना चाहिए। उन्होंने सिर्फ फिल्म की आत्मा और संगीत पर ध्यान देने को कहा। इस भरोसे की वजह से मुझे रचनात्मक आजादी मिली, जिसकी हर फिल्ममेकर चाहत रखता है। यही आजादी ही सैयारा की बड़ी ताकत रही।

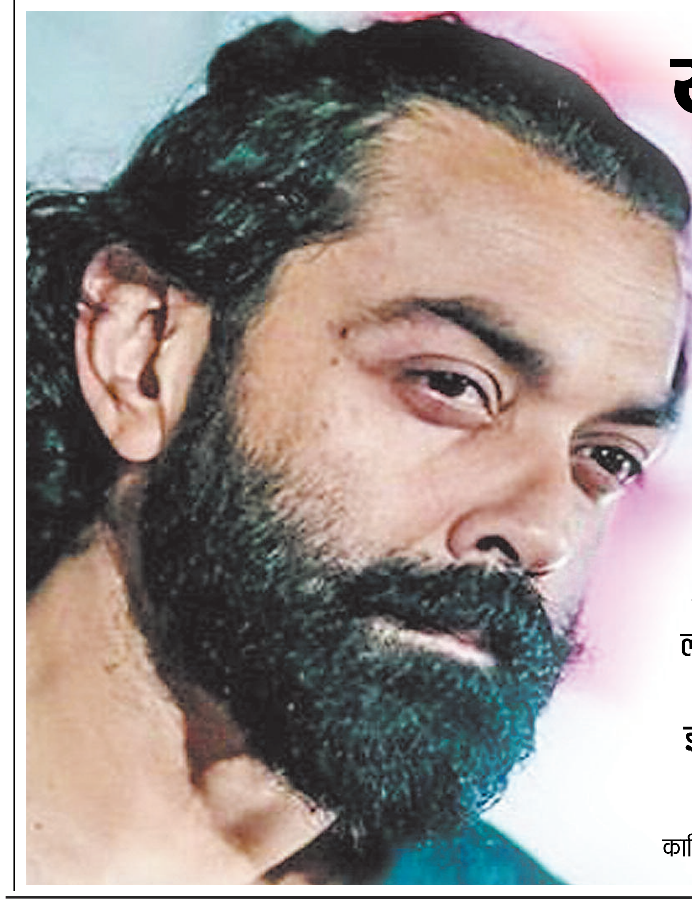

यशराज की फिल्म में ग्रे किरदार में नजर आएंगे बॉबी, अगले साल शुरू होगा शूट

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल अपनी दूसरी पारी में लगातार नए-नए किरदार निभा रहे हैं। अब वे यशराज फिल्म्स की एक और बड़ी एक्शन फिल्म में अहान पांडे और शरवरी वाघ के साथ नजर आने वाले हैं। बॉबी ऑलरेडी यशराज की एक और फिल्म अल्फा भी कर ही रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट भी लीड रोल में नजर आएंगी। वहीं शरवरी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

इस फिल्म में अहान पांडे के पिता का किरदार प्ले करेंगे बॉबी

फिल्म इंडस्ट्री में इन दिनों एक नए तरह की कास्टिंग देखने को मिल रही है, जहां जेन-जी को पसंद आने वाले युवा कलाकारों को अनुभवी सितारों के साथ जोड़ा जा रहा है। इसी सिलसिले में यशराज फिल्म्स की आगामी एक्शन ड्रामा में अहान पांडे के पिता के रूप में बॉबी देओल नजर आएंगे।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अली अब्बास और निर्माता आदित्य चोपड़ा पहले से स्पष्ट थे कि फिल्म में बॉबी का किरदार, उनके पिछले सभी किरदारों से अलग रखा जाएगा। निर्देशक ने इस बात को ध्यान में रखते हुए अभिनेता के किरदार को तैयार किया है, जो फिल्म में दमदार छाप छोड़ेगा। खबर है कि बॉबी ने एक हफ्ते पहले ही अली अब्बास के आगामी प्रोजेक्ट में काम करना शुरू किया है। इस फिल्म के अलावा बॉबी जल्द ही थलापति विजय की तमिल फिल्म जन नायगन में भी नजर आएंगे। यह विजय की आखिरी फिल्म भी हो सकती है।

इंग्लैंड में लोकेशंस की रेकी करेंगे डायरेक्टर अली अब्बास जफर

सूत्रों के अनुसार... अली अब्बास जफर इस बड़े बजट की एक्शन ड्रामा फिल्म की शूटिंग अगले साल यानी 2026 की पहली तिमाही (मार्च) से शुरू करेंगे। निर्देशक और टीम जल्द ही इंग्लैंड जाकर शूटिंग लोकेशंस की रेकी करने वाले हैं।

फिल्म में बॉबी का किरदार एक अथॉरिटेटिव पोजिशन यानी अधिकारपूर्ण पद पर होगा। उनका रोल पूरी तरह खलनायक नहीं होगा, बल्कि इसमें ग्रे शेड्स होंगे, यानी चरित्र में नकारात्मक और सकारात्मक दोनों पहलू होंगे। कहानी में यह किरदार नायक अहान पांडे से टकराव भी रखेगा और भावनात्मक जुड़ाव भी। बॉबी की कास्टिंग हाल ही में फाइनल हुई है और फिल्म का निर्माण बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

अल्फा है वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म

अल्फा यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की छठी और पहली महिला-केंद्रित फिल्म है। इसमें आलिया भट्ट और शरवरी वाघ दो महिला जासूसों की भूमिका निभा रही हैं, जबकि बॉबी उनके सामने एक सशक्त रोधी किरदार में होंगे। पहले इसकी रिलीज दिसंबर 2025 तय की गई थी, लेकिन विजुअल इफेक्ट्स और पोस्ट-प्रोडक्शन को बेहतर बनाने के कारण अब यह 17 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी।

अनुराग कश्यप की बंदर में भी दिखेंगे बॉबी

बॉबी की हालिया सफल फिल्मों और वेब सीरीज ने उनके करियर को नई ऊंचाई और स्थिरता दी है। 2023 में एनिमल और वेब सीरीज आश्रम में उनकी नकारात्मक भूमिकाएं लंबे समय तक चर्चा में रहीं। 2024 की फिल्म कंगुवा में भी उन्होंने अपने दमदार अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस से दर्शकों को प्रभावित किया। 2026 में उनकी बड़ी रिलीज फिल्म अपने 2 होगी। इसके अलावा वे निर्देशक-निर्माता अनुराग कश्यप की क्राइम थ्रिलर बंदर में भी दिखाई देंगे।

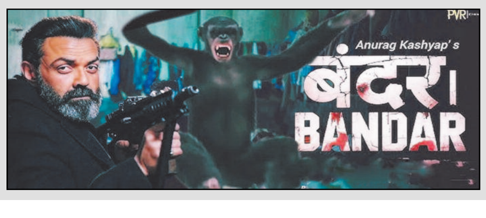

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।